DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, माघ, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 2082 | रविवार, 04 जनवरी 2025, मूल्यः ₹2, वर्ष : 7, अंकः 50 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

झारखंड में टला बड़ा रेल हादसा, टूटे पुल से गुजरने वाली थी ट्रेन

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में बड़ा ट्रेन हादसा होने से बच गया। लोहरदगा-रांची मेमु ट्रेन रविवार दुर्घटनाग्रस्त होते-होते रह गई। समय रहते रेलवे प्रशासन को कोयल नदी पर बने रेलवे पुल के पांच नंबर पिलर के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी समय रहते मिल गई, इसलिए रांची से आने वाले मेमू ट्रेन को पूल से पहले ही रोक कर पैसेंजर खाली करा दिया गया। सभी रेलवे यात्री पांव पैदल रेलवे पु ल पार कर स्टेशन पहुंचे। इस दौरान मामले की जानकारी मिलने के बाद रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और मामले की जांच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, दिनों की अपेक्षा आज ट्रेन में काफी भीड़ थी। रांची से चंदवा टोरी जा रही मेमो ट्रेन 68027 लगभग 9 बजे रांची से चली थी। बताया जाता है कि लोहरदगा पहुंचने से कुछ मिनटों पहले ही रेलवे कर्मी को पूल क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली ।रेलवे कर्मी तत्परता दिखाते हुए जैसे ही मेमू ट्रेन रेलवे पुल के पास पहुंची उसे रोक दिया गया। पूल क्षतिग्रस्त होते ही पैसेंजरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, पैसेंजर रेलवे ट्रैक से पुल पार होकर स्टेशन पहुंचे। वहीं जानकारी के बाद रेलवे के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं।

इस मामले की जानकारी मिलने के बाद इस रूट पर रेलवे सेवा बंद कर दी गई है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी टीम के अप्रूवल के बाद ही रेलवे सेवा की जाएगी बहाल। फिलहाल इस मामले की जांच की जा रही है।

क्यों क्षतिग्रस्त हुआ पिलर

मिली जानकारी के अनुसार, कोयल-शंख नदी में लगातार अवैध खनन चल रहा है। इस दौरान अवैध खनन की वजह से कोयल-शंख नदी पर बने पुल के पिलर नंबर 6 को क्षति पहुंची है, जिससे पिलर अब ट्रेन का भार सहने लायक नहीं रह गया है। इसकी वजह कोयल-शंख नदी में लगातार चल रहे अवैध खनन को बताया जा रहा है।

घटना की सूचना मिलने के बाद रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर जां के लिए पहुंच गई है।रांची रेलमंडल की सीनियर डीसीएम शुचि सिंह ने बताया की पुल वाली सूचना सही है। हल्की दरार है। फिर भी सुरक्षा कारणों से इस लाइन में ट्रेन का आवागमन रोक दिया है। लोहरदगा मेमू पैसेंजर को नागजुवा स्टेशन से चलाया जा रहा है। वहीं राजधानी एक्सप्रेस भी परिवर्तित मार्ग से चलेगी।

ठंड का कहर, रांची के स्कूल दो दिन बंद, येलो अलर्ट जारी

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में ठंड अपना कहर बरपा रही है। भीषण ठंड के कारण रांची के स्कूलों में दो दिन की पढ़ाई स्थगित कर दी गई है। जिला प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत रांची जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी व निजी विद्यालयों में केजी से 12वीं तक की कक्षाओं में पढ़ाई पांच व छह जनवरी को स्थगित कर दिया है। जानकारी में सामने आया है कि यदि इस बीच किसी स्कूल में परीक्षा होनी हैं, तो उसको स्कूल अपने विवेकानुसार करेंगे। बोर्ड परीक्षा वाली कक्षाओं के लिए भी थोड़ी छूट दी गई है। आदेश में कहा गया है कि 10वीं और 12वीं कक्षा के संचालन पर भी विद्यालय स्वयं निर्णय ले सकेंगे। इस तरह सरकारी स्कूल विंटर वेकेशन के कारण पांच जनवरी तक बंद रहेंगे, जबकि छह जनवरी को टीचर स्कूल में आकर एवीवी पर उपस्थिति दर्ज करेंगे और गैर-शैक्षणिक कार्य करेंगे।

बता दें कि राज्य के अधिकांश हिस्सों में सुबह के समय ठंड और कोहरे का प्रभाव बना हुआ है, जबकि रात में तापमान गिरने से कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। साथ ही कहीं कहीं बादल तो कहीं धूप निकलने से मौसम में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। पतली और ठंडी हवाओं के चलने से सर्दी का असर और तेज हो गया है। राजधानी रांची समेत राज्य के प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान 23 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग ने 5 जनवरी तक राज्य के 11 जिलों-गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़-में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। विशेषकर 4 जनवरी को उत्तरी झारखंड में घना कोहरा देखने को मिल सकता है, जिससे दृश्यता कम रहने और सड़क व रेल यातायात प्रभावित होने की आशंका है। इसे ध्यान में रखते हुए ही स्कूलों में कक्षाओं के संचालन को बंद करने का आदेश दिया गया है।

दो दिवसीय झारखंड दौरे के लिए देवघर पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त

जोहार कह कर किया लोगों का अभिवादन

GANDIV REPORTER

देवघर। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार रविवार को देवघर पहुंचे। एयरपोर्ट पर पहुंचने पर अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और प्रोटोकॉल के अनुसार उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त के स्वागत के लिए देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा, पुलिस अधीक्षक सौरभ, संथाल परगना के कमिश्नर, डीआईजी और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के। रवि कुमार भी एयरपोर्ट पर मौजूद रहे।

एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद ज्ञानेश कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह देवघर आए हैं। अपने परिवार के साथ बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा करने के बाद, बासुकीनाथ मंदिर में भी भगवान शिव की पूजा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह दो दिनों तक देवघर में रहेंगे। सबसे पहले, वह भगवान शिव की पूजा करेंगे और पूरे राज्य और देश के बेहतर भविष्य के लिए प्रार्थना करेंगे।

झारखंड पहुंचने पर उन्होंने स्थानीय भाषा में झारखंड के लोगों को जोहार कर अभिवादन किया। एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार कड़ी सुरक्षा के बीच सर्किट हाउस के लिए रवाना हो गए। वहां थोड़ी देर आराम करने के बाद, वह सीधे बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा करने जाएंगे। सोमवार सुबह 8:30 बजे, मुख्य चुनाव आयुक्त देवघर से दुमका में बासुकीनाथ धाम के लिए रवाना होंगे। मंदिर में दर्शन करने के बाद, वे लगभग 10:00 बजे दुमका के फॉरेस्ट गेस्ट हाउस पहुंचेंगे।

जहां अल्पाहार के बाद, वे देवघर लौट जाएंगे, यहां वे तपोवन के मोहनानंद प्लस टू स्कूल में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। जहां, वे स्थानीय बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारियों) से सीधा संवाद करेंगे। इसके बाद, वे मीडिया को संबोधित करेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त के दौरे को लेकर जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है।

त्रिशूर रेलवे स्टेशन के पार्किंग एरिया में लगी आग, 500 दोपहिया वाहन जलकर खाक

GANDIV REPORTER

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर में रेलवे स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र में रविवार को भीषण आग गई। हादसे में करीब 500 दोपहिया वाहन जलकर नष्ट हो गए। इस बारे में अग्निशमन एवं बचाव सेवा के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्किंग एरिया में सुबह करीब 6।20 बजे आग लग गई। साथ ही फायर ब्रिगेड को इस बारे में 6।40 बजे पता चला।

हालांकि आग लगने का स्पष्ट कारण नहीं पता चल सका है, लेकिन एक इलेक्ट्रिक लाइन से निकली चिंगारी के एक टू व्हीलर पर गिर जाने की आग लगने की बात कही जा रही है। पार्किंग स्थल में करीब 500 दोपहिया वाहनों के खड़े होने का अनुमान है। हादसे में अधिकांश वाहन जलकर नष्ट हो गए। आग के विकराल हो जाने पर दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर लगाई गईं। इसके अलावा आग के रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म तक फैलने से रोकने को लेकर जरूरी कदम उठाए गए। अधिकारियों के मुताबिक जिस स्थान पर आग लगी थी, उसके पास रेलवे लाइन पर एक इंजन खड़ा था लेकिन रेलवे ने इंजन को किसी तरह के नुकसान होने की पुष्टि नहीं की है। आग लगने से दोपहिया वाहनों के अलावा टिन की चादरों से ढके पूरे शेड को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

दमकल अधिकारियों के मुताबिक आग लगने की वजह पता करने के लिए पुलिस और रेलवे अफसरों ने जांच शुरू कर दी है। मामले को लेकर त्रिशूर पश्चिम पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रारंभ कर दी है। एफआईआर के मुताबिक आग लगने से करीब 500 दोपहिया वाहन जल गए हैं। दूसरी तरफ राज्य पुलिस प्रमुख आरए चंद्रशेखर ने भी घटनास्थल का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि हादसे को देखते हुए केरल में सशुल्क पार्किंग सुविधाओं पर आग संबंधी ऑडिट कराने का फैसला किया गया है। साथ ही चंद्रशेखर ने कहा कि प्रारंभिक बयानों से लगता है कि संभवतः एक इलेक्ट्रिक लाइन से निकली चिंगारी की वजह से आग लगी लेकिन इसकी पुष्टि करने के लिए जांच किए जाने की जरूरत है। इसी क्रम में राजस्व मंत्री के राजन ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

परिवार के भीतर बच्चों से बातचीत करने से रुकेगा लव जिहाद : भागवत

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि परिवार के भीतर मजबूत संवाद के जरिए लव जिहाद जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। उनका कहना था कि जब घर में खुलकर और नियमित बातचीत होती है, तो ऐसी समस्याएं अपने आप कम होने लगती हैं। भोपाल के शिवनेरी भवन में आयोजित स्त्री शक्ति संवाद कार्यक्रम में उन्होंने यह विचार रखे।

मोहन भागवत ने कहा कि समाज को यह आत्ममंथन करना चाहिए कि किसी परिवार की बेटी किसी बाहरी व्यक्ति के बहकावे में कैसे आ जाती है। उनके अनुसार, परिवार के सदस्यों के बीच संवाद

की कमी और आपसी दूरी इस तरह की स्थितियों को जन्म देती है। उन्होंने कहा कि जब घर में निरंतर बातचीत का माहौल होता है, तो धर्म, संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान स्वाभाविक रूप से विकसित होता है।

संघ प्रमुख ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तीन अहम बिंदुओं पर जोर दिया। पहला, परिवार के भीतर निरंतर और सकारात्मक संवाद। दूसरा, लड़कियों में सजगता, आत्मविश्वास और आत्मरक्षा की भावना का विकास। तीसरा, इस तरह के अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त और प्रभावी कार्रवाई। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक संगठनों और पूरे समाज को सजग रहकर सामूहिक रूप से विरोध दर्ज कराना होगा, तभी इसका स्थायी समाधान संभव है।

महिलाओं की भूमिका पर बोलते हुए मोहन भागवत ने कहा कि किसी भी सभ्य समाज की पहचान महिलाओं की स्थिति से होती है। उनके अनुसार, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक व्यवस्था महिलाओं के योगदान से ही सुरक्षित और सुदृढ़ बनी हुई है। उन्होंने कहा कि वह दौर अब पीछे छूट चुका है जब महिलाओं को केवल सुरक्षा के नाम पर घर तक सीमित रखा जाता था।

वेनेजुएला के हालात पर भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली। भारत ने वेनेजुएला से जुड़े घटनाक्रम को लेकर रविवार को गहरी चिंता व्यक्त की। भारत ने कहा कि वह वेनेजुएला में तेजी से बदल रही स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वेनेजुएला में हालिया घटनाक्रम गहरी चिंता का विषय हैं, हम तेजी से बदलती स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं। भारत ने पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने का भी आह्वान किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत वेनेजुएला के लोगों के कुशल-क्षेम और उनकी सुरक्षा के प्रति समर्थन की फिर पुष्टि करता है। हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि वे बातचीत के जरिए मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएं ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।

अवैध खनन के दौरान विस्फोट, दो की मौत

GANDIV REPORTER

भुवनेश्वर। ओडिशा के ढेंकनाल में एक पत्थर की खदान में धमाके की खबर सामने आई है। इसके कारण खदान में कई मजदूर फंसे हो सकते हैं। हादसे में कई के मारे जाने का अंदेशा बना हुआ है। मजदूरों को बचाने की प्रक्रिया जारी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ढेंकनाल के गोपालपुर में अवैध पत्थर खदान में विस्फोट हुआ।अब तक दो मजदूरों के शव मिले हैं।

इस हादसे में कई मजदूरों के फंसे होने का दावा किया जा रहा है। यह हादसा शनिवार 3 जनवरी की देर रात का बताया जा रहा है। हादसे की जानकारी पुलिस को देर से मिली। इलाके में राहत का काम जारी है। इसके साथ यहां पर आवाजाही को रोक दिया गया है। इस बात पता लगाने का प्रयास हो रहा है कि खदान में कितने मजदूर फंसे हुए हैं। शुरूआती जांच में सामने आया है कि खदान में धमाके के लिए जरूरी मंजूरी नहीं ली गई थी।

यहां पर अवैध रूप से खनन हो रहा था। स्थानीय अग्निशमन दल, ओडिशा आपदा प्रबंधन दल की टीमों के संग डॉग स्कवायड और विभिन्न उपकरणों के साथ बचाव दल खदान में फंसे मजदूरों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं। ढेंकनाल के जिलाधिकारी और एसपी भी मौके पर पहुंच गए हैं।

20 साल बाद शिवसेना भवन पहुंचे राज ठाकरे

मुंबई। नगर निगम चुनाव का प्रचार अभियान जोर शोर से चल रहा है। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि समाप्त हो चुकी है। राज्य भर में 67 उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए हैं। इन राजनीतिक हलचलों के बीच, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और मनसे (महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना) ने एकजुटता दिखाते हुए मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए अपना संयुक्त घोषणापत्र शब्द ठाकरेंचा जारी किया। ठाकरे बंधुओं (उद्धव और राज ठाकरे) का संयुक्त घोषणापत्र मुंबई के शिवसेना भवन में जारी किया गया। इस अवसर पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक बार फिर एक साथ मंच पर दिखे।

टी-20 विश्व कप खेलने भारत नहीं आएगा बांग्लादेश

GANDIV REPORTER

नयी दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम को भारत भेजने से इनकार कर दिया है। बांग्लादेश ने इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को पत्र लिखकर अपने मैचों को भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की है। बीसीबी के निदेशक खालिद मसूद पायलट ने भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाया है और टीम को ना भेजने का फैसला किया है। उन्होंने भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा, यदि वे हमारे एक खिलाड़ी को सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकते, तो वे हमारी पूरी टीम की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करेंगे? यही कारण है कि हम वहां खेलने नहीं जाएंगे।

बता दें कि इस विवाद की शुरूआत तब हुई जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शनिवार 3 जनवरी को आईपीएल

फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स को बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने का निर्देश दिया। केकेआर ने पिछले महीने हुई नीलामी में रहमान को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में रहमान को टीम में रखे जाने की आलोचना हो रही थी, जिसके बाद बीसीसीआई ने यह कदम उठाया।

बीसीसीआई के इस फैसले की प्रतिक्रिया के रूप में अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टीम को भारत ना भेजने का फैसला किया है। इस संबंध में बोर्ड ने आईसीसी को पत्र लिखा है और बांग्लादेश के सभी मैचों को श्रीलंका में शिफ्ट करने की मांग की है। बता दें कि पाकिस्तान के सभी मैच पहले से ही श्रीलंका में निर्धारित हैं।

रांची में ऑल इंडिया जजेज बैडमिंटन चैंपियनशिप का समापन, देशभर के न्यायाधीशों ने दिखाया खेल कौशल

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी में 3 और 4 जनवरी 2026 को आयोजित दूसरी ऑल इंडिया जजेज बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों और न्यायिक संस्थानों से जुड़े न्यायाधीशों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सभी ने खेल भावना के साथ शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन राजधानी रांची में किया गया, जहां खिलाड़ियों के उत्साह और दर्शकों की मौजूदगी ने आयोजन को यादगार बना दिया।

बॉम्बे हाईकोर्ट के जज ने जीता मुकाबला : पुरुष एकल वर्ग में मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। फाइनल मुकाबले में एचएमआई फरहान परवेज दुबाश (बॉम्बे हाईकोर्ट) ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। जबकि एचएमआई बेच्चू कुरियन थॉमस (केरल हाईकोर्ट) उपविजेता रहे। इस स्पर्धा में हिमांशु तेज प्रताप तिवारी (इलाहाबाद हाईकोर्ट) ने तीसरा स्थान हासिल किया। पुरुष एकल के मुकाबलों में खिलाड़ियों की फिटनेस और तकनीकी कौशल देखने लायक रहा।

महिला एकल वर्ग में ओडिशा हाईकोर्ट के जज ने जीता खिताब : महिला एकल वर्ग में भी खिलाड़ियों ने जबरदस्त खेल दिखाया। फाइनल में एचएमजे सावित्री राठो (ओडिशा हाईकोर्ट) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। जबकि एचएमजे रेखा बोराना (राजस्थान हाईकोर्ट)

उपविजेता रहीं। इस स्पर्धा में एचएमजे नूपुर भाटी (राजस्थान हाईकोर्ट) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिला खिलाड़ियों के आत्मविश्वास और खेल कौशल की सभी ने सराहना की।

पुरुष युगल का खिताब बॉम्बे हाईकोर्ट ने जीता : पुरुष युगल वर्ग में भी कड़े मुकाबले देखने को मिले। फाइनल मुकाबले में एचएमआई फरहान परवेज दुबाश और एचएमआई सारंग वी कोटवाल (बॉम्बे हाईकोर्ट) की जोड़ी ने शानदार तालमेल के साथ जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। वहीं इस स्पर्धा में एचएमआई बेच्चू कुरियन थॉमस और राजा व्याघवन वी (केरल) की जोड़ी ने तीसरा स्थान हासिल किया। मिक्स्ड डबल्स वर्ग में खिलाड़ियों ने बेहतरीन समन्वय और रणनीति का प्रदर्शन किया। इस वर्ग में एचएमआई वी। नरसिंह और एचएमआई सावित्री राठो की जोड़ी ने फाइनल मुकाबला जीतकर चैंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। जबकि उपविजेता का स्थान एचएमआई रवि चिरानिया और एचएमजे रेखा बोराना (राजस्थान हाईकोर्ट) की जोड़ी को मिला। वहीं एचएमआई फरहान और एचएमजे नूपुर भाटी (राजस्थान हाईकोर्ट) की जोड़ी ने तीसरा स्थान हासिल किया है।

आयोजकों ने दी सभी प्रतिभागियों को बधाई : प्रतियोगिता के समापन समारोह में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना, अनुशासन और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण के लिए बधाई दी। आयोजन समिति ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं न्यायिक अधिकारियों के बीच आपसी संवाद, स्वास्थ्य और खेल संस्कृति को बढ़ावा देती हैं। रांची में आयोजित यह चैंपियनशिप न सिर्फ खेल के लिहाज से सफल रही, बल्कि झारखंड की मेहमाननवाजी और आयोजन क्षमता को भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में सफल रही।

एक्वा वर्ल्ड : प्राइड एंड एलिगेंस ट्रांसजेंडर फैशन शो का पहला आयोजन

GANDIV REPORTER

रांची। एक्वा वर्ल्ड के द्वारा नव वर्ष के अवसर पर आठ दिवसीय नव वर्ष मेला रिलायंस कार्निवल 2026 में सातवें दिन का मुख्य आकर्षण ट्रांसजेंडर फैशन शो था। झारखंड में यह अपने तरह का पहला आयोजन था।

एक्वा वर्ल्ड समूह के अध्यक्ष प्रतुल शाह देव ने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य है कि समाज भी देख पाए कि आज के युग में ट्रांसजेंडर किसी से कम नहीं है। प्रतुल ने कहा कि आज ट्रांसजेंडर सभी जगह अपना योगदान देकर राष्ट्र निर्माण में सहयोग दे रहे हैं। ट्रांसजेंडरों ने भी प्रोफेशनल मॉडल की तरह कैटवॉक किया। ट्रांसजेंडर मॉडल में जन्नत, मोना, माहिरा, रोशनी, आरोही, ब्यूटी, तृषा, सखिका थी।

इसके अतिरिक्त आज अरगोड़ा के

कोशिश संस्था के दिव्यांग बच्चों का भी फैशन शो था। सरस की संचालिका दीपा चौधरी के निर्देशन में दिव्यांग बच्चों ने भी अपनी शारीरिक कमजोरी के बावजूद मॉडलों के साथ रैंप वॉक करके लोगों का दिल जीत लिया। सभी ट्रांसजेंडर और दिव्यांग मॉडलों को सम्मानित किया गया।

आज के विजेता

स्ट्रॉ नूडल्स चैलेंज-अभिराज गुप्ता, आयुष्मान वर्मा

क्लॉथस्पिन चैलेंज-युवराज सिंह, शिवराज सिंह

मिरर मैडनेस मैनिया-आरती एवं अभिराज

डांस व्हेन इट स्टॉप्स - काब्या, अंशिका, प्रिंसी,

बॉलीवुड वॉयस मिस्ट्री हंट-खुशबू यस ऑर नो प्रतियोगिता-श्रेष्ठ शर्मा एवं सृष्टि लकड़ा

बिंदी आर्ट चैलेंज - सुप्रिया लकड़ा, सृष्टि लकड़ा, उम्मे कुलसुम ब्लाइंड ब्यूटी लिप बाम-सोनाली एवं काजल क्वीन टग वॉरियर्स - प्रिंसी, प्रिया, सुरजमणि बुलेट राजा-अलका चौधरी सेल्फी प्रतियोगिता-स्निरु कुमारी

रिलायंस कार्निवल का 4 जनवरी को समापन : 28 दिसंबर से चले रिलायंस कार्निवाल का रविवार 4 जनवरी की शाम 6:00 बजे समापन हो जाएगा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा के सांसद डॉक्टर प्रदीप वर्मा होंगे। अंतिम दिन भी कार्यक्रमों की धूम रहेगी। मुख्य कार्यक्रमों में दंगल टाइम, ड्रामा किंग, बॉलीवुड जूकबॉक्स, मिस्ट्री मसाला, भैंस के साथ सेल्फी, लड़कों का साड़ी पहनने का कंपटीश, चिप्स ईटिंग कंपटीशन, ग्रुप डांस कंपटीशन। अंतिम दिन का एक प्रमुख आकर्षण शादीशुदा महिलाओं के लिए मिसेज कार्निवल कंपटीशन भी होगा।

ठंड और घने कोहरे के बीच बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में लगातार गिरते तापमान, बढ़ती ठंड और घने कोहरे को देखते हुए झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अजय राय ने राज्य सरकार से सरकारी एवं गैर-सरकारी (निजी) दोनों प्रकार के विद्यालयों में अवकाश कुछ दिनों के लिए और बढ़ाने की मांग की है।

श्री राय ने कहा कि 04 जनवरी 2026 को प्रकाशित समाचारों एवं मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार राज्य में ठंड का प्रभाव और बढ़ने वाला है। राज्य के कई जिलों में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर चुका है, जबकि 15 जिलों में अगले दो दिनों तक घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया गया है। रांची सहित 12 जिलों में दिन के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की गई है, जिससे सुबह के समय दृश्यता बेहद कम हो जा रही है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों का सुबह-सुबह स्कूल जाना स्वास्थ्य और सुरक्षा दोनों की दृष्टि से जोखिमपूर्ण है। अजय राय ने कहा कि ठंड, कोहरा और शीतलहर में छोटे बच्चों को स्कूल भेजना सर्दी, निमोनिया, बुखार और श्वसन संक्रमण जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि सरकारी एवं गैर-सरकारी सभी स्कूलों में एक समान रूप से अवकाश बढ़ाया जाए,नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के विद्यालयों को विशेष रूप से शामिल किया जाए।

बाल विवाह रोकने के लिए विधिक जागरुकता अभियान

GANDIV REPORTER

मुरी। सिल्ली राधिका मैदान में झालसा के निर्देश एवं अध्यक्ष-सह-न्यायायुक्त, अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में बाल विवाह के खिलाफ आशा अभियान के तहत को बाल विवाह के रोकथाम के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएलवी शंकर महतो, बंशीधर घटवार, कौशल्या देवी, ब्रजेश कुमार महतो, राज कुमार, पंकज कुमार महतो, सुनील कुमार महतो, उपस्थित ग्रामीण एवं अन्य लोग उपस्थित थे। पीएलवी शंकर महतो ने कहा कि 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़कों का विवाह बाल विवाह कहलाता है। इससे शिक्षा बाधित होती है, जिससे भविष्य अंधकारमय होता है। घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहार का खतरा बढ़ जाता है। कम उम्र में गर्भावस्था

और प्रसव से माँ और बच्चे दोनों को गंभीर स्वास्थ्य जोखिम होता है। आर्थिक रूप से पति पर निर्भरता। पीएलवी बंशीधर घटवार ने समाधान और रोकथाम पर फोकस करते हुए कहा कि जागरूकता बढ़ाना, लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देना, कानून का कड़ाई से पालन और बाल संरक्षण सेवाओं (जैसे हेल्पलाइन 1098) का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। अंत में सभी पीएलव ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के द्वारा दिये जानेवाले निःशुल्क कानुनी सहायता के बारे में ग्रामीणों को बतलाया तथा डालसा के द्वारा आयोजित किये जानेवाले लोक अदालत, मध्यस्थता, प्री-लिटिगेशन के बारे में लोगों को जानकारी दी। डालसा के कार्यरत पीएलवी ने डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम के तहत भी लोग लोगों को जागरूक किये। इसके अलावा थाना, ब्लॉक, पंचायत में नियुक्त पीएलवी के क्रियाकलापों के बारे में ग्रामीणों को बतलाया तथा किसी भी समय ग्रामीण इनसे सहायता लेकर अपनी बातों को डालसा कार्यलय में रख सकते है। पीएलवी ने टॉल फ्री नम्बर - 15100 की जानकारी भी दिये। इसके साथ ही घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, बाल विवाह, बाल श्रम, नशामुक्ति, डायन बिसाही प्रथा आदि पर भी लोगों को विधिक जानकारी दी गयी। अंत में सभी पीएलवी के द्वारा ग्रामीणों व अन्य लोगों के बीच पम्पलेट व लिफलेट का वितरण भी किया गया।

जयपाल सिंह मुंडा की देन है अलग झारखंड राज्य : देवेन्द्र

रांची। शनिवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा का 123 वीं जयंति मनाया गया। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष आंदोलनकारी नेता श्री देवेन्द्र नाथ महतो जयपाल सिंह मुंडा का पैतृक गांव खूंटी टकरा पहुंचा। उन्होंने जयपाल सिंह मुंडा के समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया । ग्रामीण द्वारा टकरा में आयोजित, साँस्कृतिक कार्यक्रम, फुटबॉल खेल प्रतियोगिता सह श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुआ। मौके पर केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा शिक्षा, खेल और राजनीतिक तीनों क्षेत्र में शिखर तक पहुंचकर झारखंड के माटी का नाम रोशन किया है, आज 122 साल पूर्व जंगल झाड़ सुदूर टकरा गांव से निकलकर दुनियां के प्रसिद्ध ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में शिक्षा ग्रहण किया।

झारखंड में पहली बार होगा एमएसएमई डिफेंस कॉन्क्लेव, चल रही तैयारी

GANDIV REPORTER

जमशेदपुर। झारखंड में पहली बार एमएसएमई डिफेंस कॉन्क्लेव का आयोजन सरायकेला जिला में होगा। इसको लेकर तैयारियों का दौर शुरू हो गया है।

भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव ने बताया कि इस तरह के आयोजन से रक्षा के क्षेत्र में स्थानीय उद्योग को जोड़ने का मौका मिलेगा। रक्षा के क्षेत्र मे स्थानीय उद्योग भी अपने उत्पाद के जरिये जुड़ सकेंगे। झारखंड में इसे लेकर पहली बार एक पहल की जा रही है।

जमशेदपुर के बिस्टुपुर स्थित सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीस भवन में भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स, सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इडस्ट्री और आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्री एसोसिएशन ने संयुक्त रूप जानकारी से दी है। इस दौरान

सिंहभूम चैंबर के अध्यक्ष मानव केडिया भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव केका शर्मा आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष इंदर अग्रवाल और चैंबर से जुड़े अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि स्थानीय उद्योगों के लिए रक्षा क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने के लिए एमएसएमई डिफेंस कॉन्क्लेव का आयोजन आदित्यपुर स्थित ऑटो कलस्टर परिसर में होगा। आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत बनाने और स्थानीय एमएसएमई उद्योगों को रक्षा क्षेत्र से जोड़ने के उद्देश्य से एमएसएमई डिफेंस कॉन्क्लेव का आयोजन आगामी 16 और 17 जनवरी 2026 को किया जाएगा। इस कॉन्क्लेव का आयोजन सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन एवं भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। जिसमें लघु उद्योग भारती, बीईएमएल सहित अन्य व्यावसायिक संस्थाएं भी सहयोग करेगी।

पेसा नियमावली को लेकर भाजपा के सवालों का जवाब नहीं देंगे राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर

GANDIV REPORTER

रांची। पेसा नियमावली को लेकर एक ओर जहां बीजेपी सवाल उठा रही है। वहीं सरकार की ओर से इस पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही है। कांग्रेस के एक कार्यक्रम के दौरान जब मीडिया ने वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से इस पर प्रतिक्रिया लेनी चाही तो उन्होंने कुछ अलग ही प्रतिक्रिया ही दी।

दरअसल, झारखंड में पेसा कानून को लागू करने के लिए हेमंत कैबिनेट ने पेसा नियमावली को मंजूरी दी। इसके बाद शुक्रवार की रात को सरकार ने इस नियमावली की अधिसूचना भी जारी कर दी। कैबिनेट द्वारा पारित नियमावली अधिसूचना जारी होने के बाद सार्वजनिक हो गया है। भाजपा लगातार यह आरोप लगाती रही है कि वर्तमान पेसा नियमावली में जो बदलाव किए गए हैं, उससे पेसा कानून से जो उद्देश्य प्राप्त करना था, उससे यह दूर हो गया है।इसे लेकर जब वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से सवाल किया गया तो उन्होंने सवाल का जवाब देने से ही मना कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा उठाये गए सवालों का जवाब देने के लिए वह तैयार नहीं हैं। अगर पेसा नियमावली को लेकर कोई सवाल बेनेफिशियरी यानी लाभुक की ओर से आता तो वह जरूर उसका जवाब देते।

एक ओर पेसा नियमावली को लेकर जहां भाजपा सवाल उठा रही है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस विधायक रामेश्वर उरांव की बेटी भी सरकार पर सवाल उठा रही है। पूर्व वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव की बेटी निशा उरांव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सरकार

पर कटाक्ष किया है। निशा उरांव भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी और पूर्व में डेपुटेशन पर झारखंड सरकार में पंचायती राज निदेशक रह चुकी हैं। पहले उन्होंने पोस्ट कर लिखा कि 2023 में उनके कार्यकाल के दौरान प्रकाशित प्रारूप और मार्च 2024 में विधि विभाग द्वारा अनुमोदित प्रारूप से मौजूदा पेसा नियमावली अलग हैं। इसके बाद उन्होंने कहा कि इसमें हुए संशोधन का वे विश्लेषण करेंगी।

इसके बाद उन्होंने फिर से एक पोस्ट किया। जिसमें उन्होंने लिखा कि गैर-रूढ़िजन्य आदिवासी मंडली - खुश तो बहुत होंगे आप लोग ? आप सब के असंवैधेनिक दबाव के कारण नियमावली में मूल बदलाव दिख रहा है?! लेकिन इसी षड्यंत्र का अब पूरे राज्य के सामने खुलासा होगा !! कमर कस लीजिए !

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से इसे लेकर भी सवाल पूछा गया। जिसके बाद उन्होंने कहा कि पेसा नियमावली कैबिनेट में आने से पहले ग्रामीण इलाकों के रहने वाले ट्राइबल - नन ट्राइबल लोगों के सुझाव लिए गए। जिसे नियमावली में जगह दी गयी है।

हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा करेगी नगर परिषद का घेराव

GANDIV REPORTER

बोकारो। भाजपा नेता अमर कुमार बाउरी एक दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हेमंत सोरेन की सरकार पर हमला बोलते हुए कई आरोप लगाए। उन्होंने 7 जनवरी को नगर निकाय चुनाव जल्द कराने को लेकर नगर परिषद का घेराव करने की बात कही है।इसको लेकर चास के मगध बैंकट हॉल में बोकारो भाजपा की बैठक पूर्व विधायक अमर कुमार बाउरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बोकारो में पूर्व विधायक अमर कुमार बाउरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में नगर परिषद का घेराव को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में सभी नेताओं को अधिक से अधिक लोगों के साथ घेराव में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया। पूर्व विधायक अमर बाउरी ने भाजपा कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, 'हम लोगों को सरकार पर दवा बनाना है।' बीजेपी नेता अमर कुमार बाउरी ने कहा कि वर्तमान सरकार नगर निकाय चुनाव को टालना चाहती है। जिस कारण वह टालमटोल कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि जल्द चुनाव हो और दलीय आधार पर हों, जिससे की जीतने वाले मेयर और परिषद पर जवाबदेही और विश्वसनीयता पार्टी के प्रति बनी रहे।

हरमू नदी में जेसीबी-ट्रैक्टर से गाद हटाने का काम तेज

GANDIV REPORTER

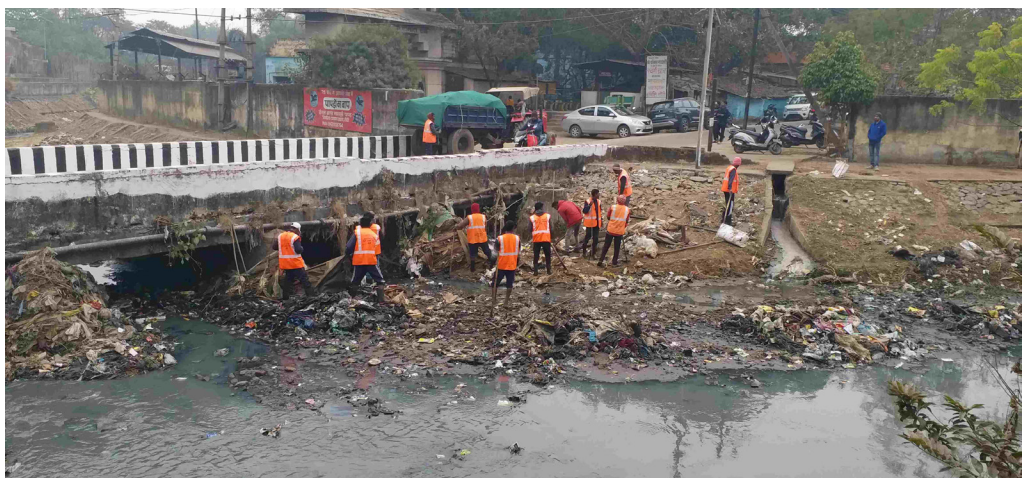

रांची। हरमू नदी को गंदगी से मुक्त कर उसके अस्तित्व को बचाने की दिशा में रांची नगर निगम का विशेष सफाई अभियान दूसरे दिन भी सख्ती के साथ जारी रहा। नगर निगम की टीम ने जेसीबी और ट्रैक्टर की मदद से नदी में जमी गाद, प्लास्टिक कचरा और अन्य अपशिष्ट हटाने का काम तेज कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि यह अभियान लगातार कई दिनों तक चलेगा और इसे किसी भी हाल में बीच में नहीं रोका जाएगा।

सफाई कार्य के साथ-साथ मुक्तिधाम पुल के दोनों ओर जाली लगाने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। इसका उद्देश्य यह है कि लोग सीधे नदी में कचरा न फेंक सकें और नदी को दोबारा गंदा होने से बचाया जा सके। इसके अलावा नदी किनारे चेतावनी और जागरूकता से जुड़े नोटिस बोर्ड भी लगाए जाएंगे, जिनमें कचरा फेंकने पर जुर्माने और कानूनी कार्रवाई की जानकारी दी जाएगी।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सफाई के बाद भी नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके लिए निगम की अलग टीम बनाई जा रही है, जो समय-समय पर निरीक्षण करेगी और दोबारा गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। आने वाले दिनों में नदी किनारे पौधारोपण और ब्यूटीफिकेशन का कार्य भी शुरू किया जाएगा, ताकि हरमू नदी के आसपास हरियाली बढ़े और क्षेत्र का सौंदर्यीकरण हो सके।

नगर आयुक्त ने बताया कि यह पूरा अभियान झारखंड हाई कोर्ट के निदेशों के अनुपालन में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रांची शहर के तमाम जलाशयों और नदियों में सफाई अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। हरमू नदी के विभिन्न क्षेत्रों को पहले ही चिन्हित कर लिया गया है और एक-एक कर सभी इलाकों में साफ-सफाई की जाएगी। निगम का एक्शन प्लान है कि चरणबद्ध तरीके से शहर के सभी जलाशयों के आसपास व्यापक सफाई अभियान चलाया जाए।

इस दौरान हरमू नदी की चिन्हित जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम की टीम ने ऐसे कई स्थानों को चिह्नित किया है, जहां अवैध निर्माण और कब्जे के कारण नदी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित हो रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक अतिक्रमण नहीं हटेगा, तब तक नदी को पूरी तरह से साफ और संरक्षित करना संभव नहीं है।

वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों का मानना है कि हरमू नदी की स्थिति वर्षों से खराब बनी हुई है। लोगों का कहना है कि पहले भी कई बार टेंडर निकाले गए और सफाई अभियान चले, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल पाया। स्थानीय निवासियों के अनुसार अब हरमू नदी नदी नहीं, बल्कि एक नाले का रूप ले चुकी है, क्योंकि आसपास के कई इलाकों के नालों को सीधे इसमें जोड़ दिया गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सबसे पहले उन नालों को बंद करना जरूरी है, जो सीधे हरमू नदी में गिर रहे हैं। जब तक गंदे पानी का प्रवाह बंद नहीं होगा, तब तक सफाई अभियान का अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेगा। साथ ही उन्होंने आम नागरिकों से भी जिम्मेदारी निभाने की अपील की है। लोगों का कहना है कि कई लोग आज भी नदी में कचरा फेंक देते हैं, जबकि उसे डस्टबिन में डालना चाहिए।

स्थानीय निवासियों का यह भी कहना है कि रांची नगर निगम को केवल टेंडर निकालने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अतिक्रमण और अवैध गतिविधियों पर ठोस और लगातार कार्रवाई करनी होगी। लोगों को उम्मीद है कि यदि प्रशासन सख्ती दिखाए और जनता भी सहयोग करे, तो हरमू नदी को दोबारा स्वच्छ और जीवंत बनाया जा सकता है।

पति की साजिश का शिकार हुई थी ममता, अवैध संबंध बनी मौत की वजह

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी के अनगड़ा में हुए ममता हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। ममता का हत्यारा कोई और नहीं बल्कि उसका ही पति निकला। ममता को उसके पति दिनेश्वर करमाली ने ही मार डाला था। दिनेश्वर को शक था कि उसकी पत्नी का उसके ही भांजे के साथ अवैध संबंध है। जिसके बाद इस जघन्य घटना को अंजाम दिया। एक दिसंबर 2025 को करीब दोपहर तीन बजे रांची के अनगड़ा थाना को सूचना मिली की एक घर में पति और पत्नी का गला रेत दिया गया है। जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जांच के क्रम में ममता कुमारी मृत पाई गई। लेकिन ममता का पति दिनेश्वर जिंदा था। पुलिस ने आनन फानन में उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा। घायल अवस्था में ही दिनेश्वर ने पुलिस को बयान दिया की उसकी पत्नी की हत्या करने वाला और उसे घायल करने वाला कोई और नहीं उसका ही भांजा है। खून से लथपथ दिनेश्वर की बात पर उस समय पुलिस ने विश्वास भी कर लिया और संदेह के आधार पर सुदामा करमाली को हिरासत में ले लिया था। लेकिन पुलिस की जांच में कहानी कुछ और ही निकली।

क्या है आरोपी का बयान : पुलिस पूछताछ में रांची के अनगड़ा थाना अंतर्गत हेसल टोल प्लाजा के रहने वाले 42 वर्षीय मुख्य अभियुक्त दिनेश्वर करमाली उर्फ लालू ने अपना अपराध स्वीकार किया। दिनेश्वर ने बयान में बताया कि उसकी पत्नी ममता कुमारी का उसके भांजा सुदामा करमाली के साथ अवैध संबंध था। जिसे लेकर वह पत्नी को बार-बार समझाता था कि सुदामा से मेलजोल बंद कर दे। लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थी। 1 दिसंबर 2025 को इसी बात को लेकर दोनों में बहस हुई और गुस्से में आरोपी ने सब्जी काटने वाले हथियार से पत्नी पर हमला कर दिया।

गिरफ्तारी के लिए बनी थी टीम : मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक रांची और पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रांची के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस उपाधीक्षक सिल्ली के नेतृत्व में तकनीकी शाखा रांची और गुप्तचरों की मदद से त्वरित कार्रवाई करते हुए दिनेश्वर करमाली उर्फ लालू को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया।

अवैध संबंध संबंध हत्या की वजह

रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि अवैध संबंध के शक में ही इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। एसपी ने बताया कि पत्नी की हत्या करने के बाद दिनेश्वर करमाली ने अपने गले का चमड़ा काट लिया था। जिससे पुलिस को लगे कि उस पर भी हमला किया गया है। दरअसल करमाली को शक था कि उसके घर में रहने वाले उसके भांजे के साथ उसकी पत्नी का अवैध संबंध है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि भाजे के साथ अवैध संबंध को लेकर दोनों में अक्सर मारपीट होती थी। इसी क्रम में दिनेश्वर ने एक ऐसी साजिश रची जिसमें उसका भांजा भी फंस जाए और उसकी पत्नी हमेशा के लिए खत्म हो जाए। दिनेश्वर ने अपने भांजे को फंसाने और पत्नी की हत्या की प्लानिंग बहुत बेहतर की थी। लेकिन कानून के हाथ से वह नहीं बच पाया।

अगले पांच दिनों तक झारखंड में शीतलहर का अहसास, 3-4 डिग्री तक पारा गिरने की संभावना

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव आने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ और हिमालय में हुई ताजा बर्फबारी के कारण पूरे राज्य में ठंड बढ़ जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार, आज से न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट हो सकती है। अगले एक सप्ताह तक सर्द हवाएं चलेंगी और लोगों को कंपकंपी छूटेगी।

पश्चिमी विक्षोभ का असर : उत्तर-पश्चिम भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव अब झारखंड तक पहुंच गया है। हिमालय पर बर्फबारी के बाद ठंडी और शुष्क हवाएं राज्य की ओर आ रही हैं। इससे रात और सुबह के समय ठंड बहुत ज्यादा महसूस होगी। दिन में धूप निकलेगी, लेकिन सुबह और देर रात कनकनी बनी रहेगी।

15 जिलों में घने कोहरे का येलो अलर्ट : मौसम विभाग ने आज और कल के लिए 15 जिलों में घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में रांची, पलामू, गढ़वा, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, गोड्डा, साहिबगंज, दुमका, पाकुड़, लातेहार, लोहरदगा और गुमला शामिल हैं। सुबह के समय दृश्यता बहुत कम रहेगी, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात पर असर पड़ सकता है।

तापमान में आई गिरावट : बीते 24 घंटों में कांके में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री, मैकलुस्कीगंज में 6.5 डिग्री और गुमला में 6.6 डिग्री दर्ज किया गया। रांची में न्यूनतम तापमान 12.3 डिग्री और अधिकतम 22.8 डिग्री रहा। अगले 24-48 घंटों में तापमान और नीचे जा सकता है।

अगले सप्ताह तक रहेगी ठंड : मौसम विभाग का कहना है कि अगले एक सप्ताह तक सुबह और रात में ठंड का असर बना रहेगा। ग्रामीण और खुले इलाकों में शीतलहर जैसा मौसम लगेगा। लोगों से अपील है कि गर्म कपड़े पहनें और सुबह जल्दी यात्रा करने से बचें।

ठंड से बचाव के लिए रांची जिला प्रशासन ने कंबल वितरण व अलाव की व्यवस्था की

GANDIV REPORTER

रांची। जिले में कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन लोगों को राहत देने में जुटा है। ठंड से बचाने के लिए जरूरतमंद और बेसहारा लोगों को कंबल दिए जा रहे हैं। साथ ही जिले के सभी प्रखंडों और रांची शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव जलाए जा रहे हैं।

उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजन्त्री खुद इस काम की निगरानी कर रहे हैं। वे रोज रात में शहर के अलग-अलग इलाकों का दौरा कर रहे हैं और जरूरतमंद लोगों को कंबल बांट रहे हैं। अधिकारियों को पहले ही निर्देश दिए गए हैं कि ठंड की वजह से किसी को कोई परेशानी न हो।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री चिरौंदी स्थित वृद्धा आश्रम पहुंचे। वहां उन्होंने बुजुर्गों और आश्रम में रहने वाले लोगों को कंबल दिए। कंबल मिलने से बुजुर्गों को ठंड से राहत मिली और उन्होंने प्रशासन का धन्यवाद किया। इस दौरान सामाजिक सुरक्षा विभाग के सहायक निदेशक रविशंकर मिश्रा और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अगर कहीं कोई व्यक्ति ठंड से परेशान या बेसहारा दिखे, तो तुरंत जिला नियंत्रण कक्ष या नजदीकी थाना या प्रखंड कार्यालय को जानकारी दें, ताकि समय पर मदद पहुंचाई जा सके। प्रशासन ने कहा है कि यह राहत कार्य लगातार जारी रहेगा।

24 लाख की लागत से विभिन्न योजनाओं का हुआ शिलान्यास

GANDIV REPORTER

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सांसद मद से लगभग 24 लाख की लागत से बनने वाली विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया। वार्ड नंबर 10 में सुंदर बिहार और शिव शक्ति नगर को जोड़ने वाली पथ पर कल्वर्ट का निर्माण व 2 वार्ड नंबर 6 शिव शक्ति नगर के रोड नंबर एक में पीसीसी पथ का निर्माण और 3 नगरी प्रखंड के साहेर पंचायत में सांस्कृतिक मंच का निर्माण कार्य होना है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा प्राथमिकता के आधार पर क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक नवीन जायसवाल, प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा, संजीव, सुभाष, रतन अग्रवाल, पवन, सोनू मिश्रा, जितेंद्र सिंह पटेल, युवराज पासवान, सही सैकड़ो की संख्या में लोग सम्मिलित हुए

हरमू मुक्तिधाम में भागचंद पोद्दार पंचतत्व में विलीन

रांची। प्रसिद्ध समाजसेवी भागचंद पोद्दार का शनिवार को निधन हो गया। वे 90 वर्ष के थे। उनके निधन से सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक जगत में शोक की लहर है। रविवार को मारवाड़ी सहायक समिति के सानिध्य में मारवाड़ी भवन के नवनिर्मित बहुउद्देशीय सभागार में उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन हेतु रखा गया, जहां 100 से अधिक सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं 500 से ज्यादा सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। समाजसेवी भागचंद पोद्दार का संपूर्ण जीवन समाजसेवा, परोपकार और मानवीय मूल्यों को समर्पित रहा। वे निःस्वार्थ भाव से समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण हेतु सदैव सक्रिय रहे। व्यापारिक एवं सामाजिक गतिविधियों में उनकी सहभागिता उल्लेखनीय रही।

काटे कष्ट पूरे गुरूदेव सेवक को दीनी अपनी सेव...

GANDIV REPORTER

रांची। गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 359वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष में आज दो दिवसीय समागम की शुरूआत हुई। इस उपलक्ष में आज 3 जनवरी शनिवार को रात 8:00 बजे से 11:30 बजे तक विशेष दीवान सजाया गया।दीवान की शुरूआत स्त्री सत्संग सभा के शीतल मुंजाल द्वारा तहीं परकाश हमारा भयो पटना शहर विखे भाव लयो... शबद गायन से हुई। गुरुद्वारा के हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह ने इनही की किरपा से सजे हम हैं एवं खालसा मेरो रूप है खास खालसे महि हौ करौ निवास... शबद गायन कर साध संगत को निहाल किया। गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेन्द्र सिंह ने कथा वाचन द्वारा श्री गुरु गोविंद सिंह की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने को कहा। समागम में विशेष रूप से पधारे सिख पंथ के प्रसिद्ध राखी जत्था भाई बलजीत सिंह जी पटियाला वाले ने रात 9:30 बजे से 11:00 बजे तक काटे कष्ट पूरे गुरूदेव सेवक को दीनी अपनी सेव...एवं बिन सिमरन दिन रैन बिरथा बिहाए...तथा तू मेरा राखा सबनी थाई तां भौ के हा काढा जी... जैसे कई शबद गायन कर साध संगत को मंत्र मुग्ध कर दिया और साथ ही साथ संगत को वाहेगुरु का जाप भी कराया। श्री अनंद साहिब जी के पाठ, ज्ञानी जिवेन्द्र सिंह जी द्वारा अरदास तथा हुकुमनामा पढ़े जाने के साथ दीवान की समाप्ति रात 12:00 बजे हुई।समाप्ति के उपरांत संगत के बीच कढ़ाह प्रसाद का वितरण

किया गया। मंच संचालन मनीष मिड्ढा ने किया। इस मौके पर गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा गुरु का अटूट लंगर भी चलाया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने एक साथ पंगत में बैठकर गुरु का लंगर चखा।

गुरु नानक सत्संग सभा के सचिव सुरेश मिड्ढा ने बताया कि प्रकाश पर्व के उपलक्ष में आयोजित दो दिवसीय समागम का समापन कल होगा, इस उपलक्ष में दूसरा और अंतिम दीवान कल 4 जनवरी रविवार को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक सजाया जाएगा, साथ ही बताया कि गुरु नानक सेवक जत्था द्वारा इस पावन मौके पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया है जो गुरुद्वारा साहिब के बेसमेंट में सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक चलेगा।यह शिविर गुरु नानक हॉस्पिटल के सहयोग से लगाया जा रहा है।

सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि स्त्री सत्संग सभा द्वारा लंगर के लिए सब्जी काटने की सेवा आज दोपहर दो बजे गुरु नानक भवन परिसर में शुरू हुई, जिसमें सैकड़ो महिला श्रद्धालुओं ने वाहेगुरु के जाप के साथ श्रद्धा भाव से सब्जी काटने की सेवा की। साथ ही बताया कि प्रशादा (रोटी) के लिए आटा गुरु नानक सेवक जत्था के सदस्यों द्वारा श्रद्धालुओं के घर तक पैकेट में भरकर एक दिन पहले ही पहुंचा दिया जाता है और श्रद्धालु गुरबाणी का जाप करते हुए स्वयं अपने घरों में प्रशादा (रोटी) तैयार कर लंगर स्थल तक पहुंचाते हैं।

दीवान में अर्जुन देव मिड्ढा, सुंदर लाल मिढ़ा, बिनोद सुखीजा, अशोक गेरा, हरगोबिंद सिंह, प्रेम मिड्ढा, नरेश पपनेजा, हरविंदर सिंह बेदी, इंदर मिड्ढा ,रमेश पपनेजा ,मोहन लाल अरोड़ा, रमेश गिरधर, नीरज गखड़, अश्विनी सुखीजा, हरीश मिढा, मोहन काठपाल, अनूप गिरधर, आशु मिड्ढा, नवीन मिढ़ा, अशोक मुंजाल, मनोहर लाल मिढा, पीयूष मिड्ढा, मनीष गिरधर, दिनेश गाबा, जीवन मिढ़ा, ईशान काठपाल, अश्विनी सुखीजा, वेद प्रकाश मिढा, दिलीप सिंह, जीतू अरोड़ा, बसंत काठपाल, महेंद्र अरोड़ा, लक्ष्मण दास मिड्ढा, वेद प्रकाश मिढा, कवलजीत मिड्ढा, किशन गिरधर, राजकुमार सुखीजा,नानक चंद अरोड़ा, प्रकाश गिरधर,सोनु खुराना,दिनेश मिड्ढा, रमेश तेहरी, प्रथम मिड्ढा, कमल अरोड़ा,रौनक ग्रोवर,हरविंदर सिंह ,सूरज झंडई, करण अरोड़ा, राकेश गिरधर, अमन डावरा, राकेश घई, उमेश मुंजाल,सागर थरेजा, कमल मुंजाल, पुरूषोत्तम सरदाना, नीरज सरदाना, गीता कटारिया मनजीत कौर, रेशमा गिरधर, अमर मुंजाल, दुर्गी देवी मिढ़ा,हरपाल कौर मिढ़ा,उषा झंडई, अंजना गिरधर, उर्मिला खत्री, हर्षा मिढ़ा, शीतल तेहरी, प्रेमी काठपाल, शीतल अरोड़ा, हरनाम थरेजा, सुषमा गिरधर,स्वीटी सिडाना, हरजिंदर कौर,पायल गिरधर, रजनी तेहरी,ममता सरदाना, रिशा मुंजाल, मीना गिरधर, पायल मल्होत्रा, किरण अरोड़ा, खुशबू मिड्ढा, नीतू किंगर, गूंज काठपाल, रजनी कौर, श्वेता मुंजाल, राज कौर काठपाल, तीर्थी काठपालिया, कंचन सुखीजा, गीता मिड्ढा समेत अन्य शामिल थे।

गिग-वर्कर्सः डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

ललित गर्ग
पत्रकार, स्तंभकार

गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीग्गी, जोमाटोज या अन्य ऐप्स के जरिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन. इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम।

ऑनलाइन बाजार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग-वर्कर्स शहरी जीवन-व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना दस मिनट में डिलीवरी और एक क्लिक पर सुविधा की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाजार आने-जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी।

अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि जरा-सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्रायः असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी हिंसक व्यवहार और रेटिंग के जरिये भविष्य की कमाई पर प्रहार-यह सब इनके रोजमर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12-14 घंटे काम करने के बाद भी सात-आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है।

गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीग्गी, जोमाटोज या अन्य ऐप्स के जरिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन. इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना, पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक-भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर

अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्जी से छोटे-छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9-से-5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम करता है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है।

निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े-लिखे युवा इस व्यवस्था में ह्यविकल्पह्ल के रूप में नहीं, बल्कि ह्यमजबूरीह्ल में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम-व्यवस्था में फँसना न केवल चिंताजनक, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास-नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केंद्रित हैं। गिग-वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं करतीं। उन्हें ह्यस्वतंत्र कामगारह्ल कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है।

हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच-ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में भी गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे।

भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान वास्तव में गिग-वर्कर्स के जीवन में ठोस बदलाव ला पाएँगे? या फिर ये केवल कागजी सुधार बनकर रह जाएँगे? जब तक न्यूनतम आय, कार्य-घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता।

31 दिसंबर की हड़ताल भले ही पूरी तरह सफल न रही हो, लेकिन वह नैतिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह जायज थी। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण की वृत्ति एवं दोगलेपन को उजागर करने का प्रयास थी। गिग-वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल ह्यडिलीवरी बॉयह्ल नहीं, बल्कि श्रमशील नागरिक हैं, जिनके अधिकारों की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती। निश्चित ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य गिग-वर्कर्स के बिना संभव नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि नीति-निमार्ता, कंपनियाँ और उपभोक्ता-तीनों अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करें। कंपनियों को लाभ के साथ जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी होगी, सरकार को कानूनों का सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा और उपभोक्ताओं को सुविधा के साथ संवेदनशीलता भी अपनानी होगी। यदि हम गिग-वर्कर्स को केवल सुविधा का साधन मानते रहे और उन्हें सम्मान, सुरक्षा व स्थायित्व नहीं दिया, तो यह केवल श्रमिकों का नहीं, बल्कि हमारी विकास-कल्पना का भी संकट होगा। विकसित भारत, उन्नत भारत एवं समृद्ध भारत के नाम पर एक बदनुमा दाग होगा। डिजिटल भारत की असली परीक्षा यही है कि वह अपने सबसे तेज दौड़ने वाले श्रमिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानित जीवन दे पाता है।

तेजी से फैलती ऑनलाइन सेवाओं की दुनिया में गिग-वर्कर्स की कार्य-सेवाओं को अब अनौपचारिक नहीं, बल्कि नियोजित, मान्यताप्राप्त और सम्मानजनक श्रम के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उनकी मेहनत का उचित और सुनिश्चित भुगतान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियाँ और सामाजिक सुरक्षा कोई दया नहीं, बल्कि उनका अधिकार है, जिसमें सरकार को निर्णायक हस्तक्षेप करना ही होगा।

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले से उठा सवाल

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका ने वेनेजुएला पर सैन्य आक्रमण कर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार करने का दावा किया है। यह अंतरराष्ट्रीय जगत में एक संवेदनशील और ऐतिहासिक घटनाक्रम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई और सैन्य हमले किये हैं। ट्रंप ने कहा है कि मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया गया है तथा देश से निकाल दिया गया है और वे अगली कानूनी प्रक्रिया के लिये अमेरिका ले जाये गये हैं। इस कार्रवाई को ट्रंप ने अपनी योजना के मुताबिक सफल बताया है तथा इसे वेनेजुएला में लोकतंत्र की बहाली की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया है। हालांकि हमले के विवरण और ठोस प्रमाण अभी तक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं कराये गये हैं। वहीं वेनेजुएला सरकार ने इसे अमेरिकी सैन्य आक्रमण तथा आंतरिक संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। साथ ही वेनेजुएला में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की गयी है तथा नागरिकों से व्यापक विरोध और प्रतिरोध की अपील की गयी है। इस बीच, विश्व समुदाय के कई देश इस घटना पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, कुछ ने इसे कूटनीति की आवश्यकता बताया है जबकि रूस, चीन तथा अन्य ने कड़ी निंदा की है।

देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला पर की गयी सैन्य कार्रवाई तथा एक संप्रभु राष्ट्र के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी का दावा विश्व व्यवस्था के लिये एक भयंकर झटका है। यह केवल एक सैन्य और राजनीतिक घटना नहीं है बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति और विश्वशांति के मूल सिद्धांतों पर सीधा प्रहार है। जब किसी देश का नेता बिना संयुक्त राष्ट्र के अनुरोध, बिना स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय विधिक अधिकरण के निर्देश और बिना अन्तरराष्ट्रीय समुदाय की सहमति के किसी दूसरे देश में सैन्य हस्तक्षेप कर उसके सर्वोच्च नागरिक नेतृत्व को हटा देता है तो यह कृत्य न केवल उन मूलभूत मानकों का उल्लंघन है जिन पर आधुनिक विश्व राजनीति टिकी हुई है बल्कि यह नए वैश्विक संकटों के लिये एक मिसाल भी स्थापित करता है।

पहला सवाल यह है कि क्या ट्रंप का कदम जायज है? क्या ऐसा किसी भी न्यायिक या राजनीतिक मानक पर सही ठहराया जा सकता है? देखा जाये तो संप्रभुता किसी भी वैश्विक समझ का मूल आधार है और किसी भी देश की आंतरिक व्यवस्थाओं के प्रति बाहरी हस्तक्षेप को तभी वैध ठहराया जा सकता है जब वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के भीतर व्यापक बहुमत द्वारा अनुमोदित हो या जब प्रत्यक्ष एवं सुनिश्चित मानवाधिकार संकट हो। नरसंहार या बड़े पैमाने पर युद्ध अपराध की स्थितियों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसी स्वीकृति मिल सकती है लेकिन वेनेजुएला में ऐसे कोई हालात नहीं थे। वेनेजुएला की परिस्थिति चाहे जितनी भी विवादास्पद और जटिल रही हो, अमेरिका का यह एकतरफा सैन्य निर्णय अंतरराष्ट्रीय कानून तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांतों के सीधे विपरीत है। इसे केवल एक देश के भीतर मानवीय संकट या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के समाधान के रूप में पेश करना नास्तिकता के समान है। ट्रंप प्रशासन के पास यदि मादुरो के खिलाफ वाकई मजबूत सबूत थे तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय न्यायालय या किसी बहुपक्षीय मंच पर प्रस्तुत किया जाना चाहिये था न कि अपने देश की सैन्य ताकत का उपयोग कर सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए था। दूसरा सवाल यह है कि क्या कूटनीति की दुनिया में इस कदम को उचित कहा जा सकता है? देखा जाये तो कूटनीति वैचारिक मतभेदों, राजनीतिक तनावों तथा सत्ता के संघर्षों को बातचीत, समझौते और मध्यस्थता के जरिये सुलझाने की कला है। कूटनीति कभी प्रत्यक्ष हिंसात्मक उपायों को प्रोत्साहित नहीं करती। यदि अमेरिका को वास्तव में वेनेजुएला की वर्तमान प्रणाली में विसंगतियाँ और समस्यायें दिखतीं थीं तो उसके लिये संयुक्त राष्ट्र, ओएएस या किसी अन्य बहुपक्षीय संगठन के साथ मिलकर दबाव बनाना अधिक न्यायोचित और प्रभावी विकल्प होता। इसलिए ट्रंप प्रशासन का यह कदम कूटनीति की भावना का उल्लंघन है और यह उन सभी प्रयासों को भी बेअसर करता है जो शांति, संयम और सामूहिक समाधान की ओर इंगित करते हैं।

झारखंड

फुटवियर गोदाम में लगी आग कई मजदूरों की बची जान

GANDIV REPORTER

बोकारो। शहर में आवासीय कॉलोनी के बीच फुटवियर गोदाम में आग लगने से इलाके में अफरातफरी मच गयी। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया।

जिला के सेक्टर 12 थाना अंतर्गत बारी कोऑपरेटिव के मनमोहन कॉलोनी में शनिवार देर शाम यह घटना उस समय घटी जब लोग अपने घरों में थे। वहीं आवासीय कॉलोनी के बीच एक फुटवियर गोदाम से चिंगारी निकलते हुए लोगों ने देखा और देखते ही देखते पूरा का पूरा गोदाम आग के आगोश में समा

गया। गोदाम के अंदर रखा सारा सामान आग में धू-धूकर जलने लगा।

आग की लपटों को देखते हुए लोगों ने गोदाम के मालिक को सूचना दी और फायर ब्रिगेड को भी जानकारी दी गई। इसके बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां पहुंची और फायर ब्रिगेड की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गोदाम के मालिक ओंकार पांडे ने बताया कि गोदाम में पहले से ही विभिन्न कंपनियों की फुटवियर स्टॉक था और फुटवियर में इस्तेमाल होने वाले कच्चा माल था। पिछले दो दिन पूर्व भी 60 लाख के माल मंगाई गयी थी जो आग में जलकर पूरी तरह से बर्बाद हो गया। इस आग से उनको लगभग एक करोड़ का नुकसान हुआ है।

वहीं फायर ब्रिगेड के अधिकारी ने बताया कि आग काफी भयावह थी अगर समय पर काबू नहीं पाया गया रहता तो अनहोनी हो सकती थी। उन्होंने बताया कि समय रहते गोदाम के ऊपरी भवन में 20 से 25 मजदूर रहते थे जो सकुशल बाहर निकल गए और सुरक्षित है।

आग से काफी नुकसान हुआ है और समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो यह घटना और भयावह होती क्योंकि इसके अगल-बगल भी आवासीय कॉलोनी है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी होगी। हालांकि इस मामले को लेकर अभी स्पष्ट रूप से कुछ कहा नहीं जा सकता है। वर्तमान में आज पर काबू पा लिया आ गया है लेकिन धुआं काफी होने के कारण कुछ स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा है।

टोटो चालकों को दिया गया टी-शर्ट, लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति करेंगे जागरूक

GANDIV REPORTER

देवघर। देवघर जिला प्रशासन ने सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान लोगों को जागरूक करने का नया रास्ता अख्तियार किया है। यातायात विभाग की ओर से शहर के टोटो चालाकों को नये टी-शर्ट दिए गए हैं। ये टोटो चालक उक्त टी-शर्ट पहन कर सड़क पर टोटो चलाएंगे और सड़क पर चल रहे अन्य लोगों को भी ट्रैफइक नियमों के प्रति जागरूक करेंगे।

टी-शर्ट पहन कर लोगों को यह संदेश भी देंगे कि हम सड़क सुरक्षा सप्ताह और यातायात नियमों का पालन कर रहे हैं और आप भी पालन करें। परिवहन विभाग के अधिकारी अमित कुमार झा व प्रथम राजवाड़ ने बताया कि टोटो चालकों का सरकार की तरफ से हेल्थ चेकअप भी किया जाएगा। इस दौरान उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ आंखों की भी जांच की जाएगी। ताकी वे वाहन बेहतर ढंग से चला सकें।

धान कारोबारी से 3 लाख 80 हजार की छिनतई बाइक सवार अपराधियों ने से भरा बैग उड़ाया

GANDIV REPORTER

दुमका। झारखंड की उपराजधानी दुमका में छिनतई की वारदात हुई है। दुमका-गोड्डा सीमा पर स्थित हंसडीहा के मुख्य बाजार में शनिवार को अपराधियों ने सेवानिवृत्त शिक्षक सह धान व्यवसायी नंदलाल भगत से उनके घर के दरवाजे के बाहर से रुपये से भरा बैग झपटकर फरार हो गए। बैग में 3।80 लाख रुपये (तीन लाख अस्सी हजार) रुपये थे। वहीं जानकारी मिलने के बा पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दुमका के हंसडीहा बाजार निवासी धान व्यवसायी नंदलाल भगत के पुत्र राजेश भगत ने एसबीआई हंसडीहा ब्रांच से साढ़े चार लाख रुपये निकाले थे। रुपये लेकर वह हंसडीहा के गोड्डा रोड स्थित अपने विशाल इंटरप्राइजेज प्रतिष्ठान पहुंचे। जहां उन्होंने 70 हजार रुपये अपने पास रखकर शेष राशि 3।80 लाख रुपये अपने पिता नंदलाल भगत को देकर घर भेज दिया। नंदलाल भगत अपने प्रतिष्ठान से करीब पांच सौ मीटर दूरी पर स्थित जैसे ही अपने घर के दरवाजे पर पहुंचे

ही थे कि बाइक सवार दो युवकों ने उनसे पैसे से भरा बैग छीन लिया।

बुजुर्ग ने दिखायी दिलेरी

छिनतई की वारदात के समय 80 वर्षीय नंदलाल भगत काफी बहादुरी के साथ अपराधियों से भिड़ गए। अपराधी रुपये से भरा बैग छीनने के दौरान उन्हें घसीटते हुए सड़क पर ले गए। लड़ते हुए नंदलाल जख्मी हो गए। इस क्रम में अपराधी रुपये से भरा बैग लेकर हंसडीहा चौक होते हुए फरार हो गए। अगर समय पर आसपास के लोग उनके साथ आ जाते तो अपराधी मौके पर ही पकड़ में आ भी सकते थे।

न्याय की उम्मीद टूटने पर नर्स ने महिला थाना परिसर में की जान देने की कोशिश

GANDIV REPORTER

हजारीबाग। जिला के महिला थाना परिसर में एक लड़की ने आत्महत्या करने का प्रयास किया है। इस बीच गंभीर अवस्था में युवती को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग इलाज के लिए लाया गया है। युवती ने आरोप लगाया है कि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस छात्र ने उसका शारीरिक शोषण किया है। उसका कहना है कि न्याय की उम्मीद टूट जाने पर उसने यह कदम उठाया है।

बड़कागांव थाना क्षेत्र की एक नर्स ने हजारीबाग महिला थाना परिसर में खुद की जान लेने की कोशिश की। इस घटना के बाद थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

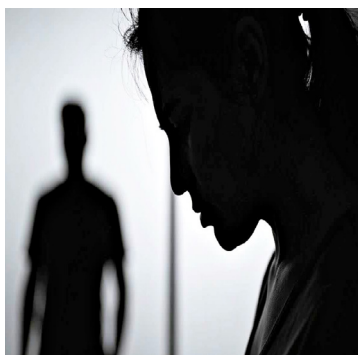

नर्स को गंभीर अवस्था में मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है और वह अब खतरे से बाहर है।

युवती का आरोप है कि विकास कुमार मेहता जो शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग में एमबीबीएस का छात्र है उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ यौन शोषण किया। युवती का आरोप है कि उसके साथ हुए शोषण की थाना में शिकायत करने के बाद भी न्याय नहीं मिला।

युवती का आरोप है कि न्याय नहीं मिलने के कारण वो अंदर से टूट गयी। उसने महिला थाना प्रभारी पर भी असंवेदनशील व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि 8 जुलाई को थाना से यह कहकर लौटा दिया गया कि पार्क में कहीं भी इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं।

वहीं लड़की के परिजनों का आरोप है कि आरोपी छात्र की मां पहले युवती के घर शादी का रिश्ता लेकर आई थी लेकिन बाद में भारी दहेज की मांग शुरू कर दी गई। इससे युवती की मानसिक स्थिति और बिगड़ती चली गई। न्याय की गुहार लेकर महिला थाना पहुंची और उसने अचानक खुद को खत्म करने का प्रयास किया।

इस घटना की सूचना मिलते ही सीसीआर डीएसपी मनोज कुमार सिंह, महिला थाना प्रभारी विंध्यवासिनी सिन्हा, सदर थाना प्रभारी सुभाष सिंह सहित कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। डीएसपी मनोज कुमार ने इस घटना की पुष्टि की है। साथ ही उन्होंने कहा कि मामले की तफ्तीश की जा रही है। ठोस जानकारी और सबूत मिलने के बाद ही इस मामले में कुछ टिप्पणी की जा सकती है। डीएसपी ने बताया कि युवती का इलाज चल रहा है जो खतरे से बाहर है।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

फेस्टिव सीजन के बाद शरीर को डिटॉक्स करना न भूलें, रोज पिएं एक गिलास देसी ड्रिंक, वेट लॉस में भी मिलेगा फायदा

नए साल की शुरूआत से कुछ दिन पहले ही शहर की गली-गली क्रिसमस और न्यू ईयर की थीम पर सज जाती हैं। हर कहीं जश्न का माहौल नजर आता है। ये दो ऐसे मौके होते हैं जब लोग खुद को पार्टी करने से रोक नहीं पाते। जमकर जंक फूड्स, शुगरी फूड्स और एल्कोहल का सेवन चलता है। लेकिन आपके इस मनोरंजन के चक्कर में आपकी बॉडी को काफी कुछ भुगतना पड़ सकता है। आप तो बिना कि- सी चिंता के बिंज कर रहे होते हैं लेकिन इसके बाद आपके शरीर में ब्लड शुगर लेवल हाई हो जाता है, आप अधिक सुस्त, ब्लोटेड और फूला हुआ महसूस कर रहे होते हैं। अगर आप खुद को नए साल की सुबह इन समस्याओं से पीड़ित नहीं पाना चाहते हैं तो कुछ खास तरह के ड्रिंक्स का सेवन कर सकते हैं जो पूरी बॉडी को डिटॉक्स करने में मदद कर सकते हैं। जानी मानी न्यूट्रिशनिस्ट हीना ने 5 ऐसे ही पेय के बारे में डिटेल में जानकारी दी है जो ब्लोटिंग को घटाने से लेकर टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करेंगे।

जश्न के बाद जरूर ट्राई करें ये ड्रिंक्स

चाहे आप अपनी डाइट को लेकर पूरे साल कितने भी माइंडफुल क्यों न रहे हों लेकिन क्रिसमस और न्यू ईयर आते ही लोग अपनी फेवरेट चीजों से परहेज नहीं कर पाते हैं। ये सोचकर कि ये पल बार-बार नहीं आता है लोग जमकर जंक और शुगर फूड्स का सेवन करते हैं और शराब पीने से भी नहीं चूकते। लेकिन अगले ही दिन काफी गिल्ट भी होता है। इस गिल्ट और शरीर में बढ़े हुए टॉक्सिन्स को बाहर निकालने के लिए आप न्यूट्रिशनिस्ट हीना के बताए इन ड्रिंक्स का सेवन कर सकते हैं

सेब का सिरका वाला पानी

आप खाली पेट एप्पल साइडर विनेगर वाटर पी सकते हैं। यह ड्रिंक डिटॉक्सिफिकेशन को सपोर्ट करता है और इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार करता है। इसे पीने से फैट मेटाबॉलिज्म में मदद मिलती है, टॉक्सिन्स शरीर से बाहर निकलते हैं और ब्लड शुगर लेवल बैलेंस रहता है। ये सभी क्वालिटी इसे आफ्टर पार्टी के लिए बेस्ट ड्रिंक बनाती हैं।

चिया सीड्स और नींबू वाला पानी

क्रिसमस और न्यू ईयर पार्टी में काफी सारा जंक खाने के बाद मेटाबॉलिज्म और डाइजेशन पर काफी असर पड़ता है। ऐसे में यह ड्रिंक आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है, वो क्यों? क्यों यह फाइबर से भरपूर है, जो आपके पेट को भरा हुआ महसूस कराता है और मेटाबॉलिज्म में सुधार करता है। इसे पीने से आपको भूख कम लगती है जिससे आप एक्स्ट्रा कैलोरी लेने से भी बचते हैं। इसके अलावा फाइबर डाइजेशन को भी सपोर्ट करता है।

दालचीनी और लेमन ड्रिंक

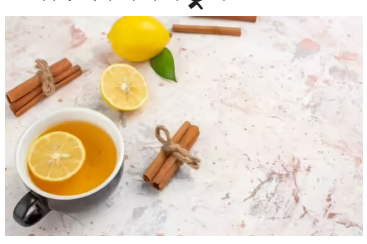

पार्टी में अधिक खाने का गिल्ट हर किसी को घेर लेता है। क्योंकि अधिक कैलोरी आपके शरीर पर अच्छी तरह दिखाई देने लगती है। ऐसे में आप दालचीनी और नींबू वाला पानी पी सकते हैं। ये ड्रिंक मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है, फैट बर्न करन में मदद करता है, ब्लड शुगर को स्थिर करता है, क्रेविंग्स को कम करता है, पाचन में सहायता करता है, और ब्लोटिंग को भी घटाता है। भोजन से पहले इसे पीना सबसे अच्छा है।

जीरा पानी

अगर आपको पार्टी के बाद भारीपन, ब्लोटिंग महसूस हो रही है या वाटर रिटेंशन हो गया है तो आपके लिए जीरा का पानी बेहद फायदेमंद साबित होगा। क्योंकि यह मेटाबॉलिज्म को उत्तेजित करता है, फैट ब्रेकडाउन में सुधार करता है, और ब्लोटिंग और भारीपन को कम करता है। खाली पेट इसे पीना सबसे अच्छा रिजल्ट दे सकता है।

अदरक और नींबू का पानी

पेट की चर्बी को कम करने और पाचन में सुधार लाने के लिए इस ड्रिंक का सेवन किया जा सकता है। यह पेट में बनी गैस/ब्लोटिंग को कम करके पाचन में सहायता करता है, पेट के आसपास वसा जमा होने से रोकता है, और चीनी खाने की लालसा को कम करता है। मॉर्निंग में इसे पीना सबसे अच्छा होता है।

बनायें आलू और सूजी के डोनट्स

चाय और स्नैक्स हमारे लिए बहुत जरूरी है। दोपहर में खाना खाने के बाद, शाम को चाय के साथ कुछ नमकीन और स्वादिष्ट चाहिए ही होता है। ऑफिस में तो ब्रेड पकोड़े और समोसे चलते ही रहते हैं, लेकिन घर पर क्या खाएं समझ नहीं आता है। रोज-रोज स्नैक तैयार करना एक टास्क लगता है। इस बार भी उन्होंने एक मजेदार रेसिपी शेयर की है। आलू और सूजी के लजीज डोनट्स कैसे बनाने हैं, आप उनसे सीख सकते हैं। अब डोनट्स की बात आती है, तो लोग बेकरी के मीठी डोनट्स को याद करते हैं। मगर ऐसा किसने कहा कि डोनट्स सिर्फ मीठे होते हैं। आप यह रेसिपी सीखकर घर पर नमकीन डोनट्स ट्राई कर सकते हैं। स्नैक हो या सुबह का नाश्त यह रेसिपी दिन में किसी भी समय खाई जा सकती है। चलिए जानते हैं बनाने क तरीका जानें।

बनाने की विधि

मीडियम आकार के आलू को छीलकर एक कटोरे पानी में रखें। इसी बीच प्याज, हरी मिर्च और धनिया बारीक-बारीक काट लें। अदरक को भी कद्दूकस करके रख लें। अब आलू को कद्दूकस करें। एक पैन को गैस पर गर्म करने के लिए रखें और उसमें एक कप पानी डालकर गर्म करें।

इस पैन में कद्दूकस किया आलू डालकर उसे पकने दें। आलू जब नरम होने लगे, तो उसमें बारीक कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, राई, अदरक, घर पर तैयारचिली फ्लेक्स, तिल और नमक डालकर मिक्स करें। इस मिश्रण को 5-6 मिनट के लिए पकाएं। इसके बाद पैन में सूजी डालें और उसे आलू वाले मिश्रण में अच्छी तरह से मिला लें। करछी के पिछले हिस्से से मिश्रण को दबा-दबाकर मिक्स करें। इससे उसमें बनने वाली गांठें टूट जाएंगी। आलू और सूजी के इस मिक्स को तब तक पकाएं, जब तक कि यह पैन के किनारे न छोड़ने लगे।

मिश्रण तैयार होने पर आंच बंद कर दें और इसमें ऊपर से ताजा हरा धनिया डालकर मिक्स करें। इसे ठंडा होने के लिए अलग रख दें। अब इसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर अच्छी तरह से गूंथ लें। गूंथे हुए मिश्रण की लोइयां लेकर उसकी बॉल्स बनाएं और फिर उसमें बीच से छेद करें।

इसे बिल्कुल वैसे तैयार करना है, जैसा आप वड़ा बनाते वक्त करते हैं। सारी लोइयों से इसी तरह से डोनट्स बनाकर प्लेट पर रखते जाएं। दूसरी ओर एक कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें। डोनट्स को तेल में डालकर डीप फ्राई करें। जब उनमें सुनहरा रंग आ जाए, तो उन्हें एक पेपर टॉवल पर निकालकर रखें। आपका स्वादिष्ट स्नैक तैयार है। इसे चटनी के साथ सर्व करें और चाय के साथ आनंद लें।

सामग्री

3 मध्यम आकार के आलू, 1 कप पानी, 1 प्याज, 1 बड़ा चम्मच कटी हुई हरी मिर्च, 1 छोटा चम्मच राई, स्वादानुसार नमक, 1 छोटा चम्मच चिली फ्लेक्स, 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ अदरक, 1 बड़ा चम्मच तिल, 2 बड़ा चम्मच धनिया, 1 कप सूजी, 1 बड़ा चम्मच तेल, 1 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, तेल तलने के लिए।

बालों को जड़ से मजबूत बनाते हैं यह तेल, लगाना कर दे शुरू

बालों को जड़ों से सिरे तक संपूर्ण पोषण देने के लिए तेल से मसाज करने की जरुरत होती है। इससे बाल मजबूत) बनते हैं और इनमें शाइन बरकरार रहती है। भरपूर पोषण मिलने से वे असमय सफेद भी नहीं होते और बाल दोमुंहे, रूखे और बेजान होकर टूटते झड़ते भी नहीं हैं। इनके अलावा मसाज स्ट्रेस से भी मुक्ति दिलाता है। शायद यही वजह है कि, हमारी दादी नानी बचपन में हमारे बालों की मसाज किया करती थीं।

- **जोजोबा ऑयल** : बालों के तेजी से विकास के लिए जोजोबा ऑयल से हफ्ते में कम से कम दो दिन मसाज जरूर करें। यह हाइपो एलर्जेनिक होता है और बालों को मजबूती प्रदान करता है। इसके अलावा जोजोबा ऑयल से सिर पर मसाज करने से डैंड्रफ से भी बचाव होता है।
- **ऑर्गन ऑयल** : एंटी-ऑक्सीडेंट, फैटी एसिड, विटामिन-ए और विटामिन-ई की मात्रा से भरपूर ऑर्गन ऑयल बालों को अंदरूनी पोषण देने के साथ साथ घना बनाए रखने में सहायक होता है। यह बालों को सूर्य की यूवी किरणों से भी बचाता है।
- **एवोकाडो ऑयल** : विटामिन-ए, विटामिन-डी, विटामिन-ई और ओमेगा-3 फैटी एसिड से युक्त एवोकाडो ऑयल बालों को गहराई से पोषण देकर उन्हें लंबा और शाइनी बनाता है।
- **नारियल तेल** : बाल या स्किन संबंधित समस्याओं के लिए नारियल के तेल का उपयोग बहुत ही प्राचीन समय से होता आ रहा है। इसका कारण यह है कि यह एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी-वायरल गुणों से भरपूर होता है, जो बालों में होने वाले इन्फेक्शन से बचाता है। नारियल के तेल से मसाज करने से बाल लंबे, काले घने और मजबूत होते हैं।
- **बादाम का तेल** : विटामिन-ई से भरपूर बादाम तेल के मसाज से बालों को भरपूर पोषण मिलता है, जिससे बाल जड़ से मजबूत बनते हैं।

प्रयागराज माघ मेला में नागा साधु स्नान के दौरान अपने बालों को धोते हुए।

विश्वयुद्ध के बादल फिर मंडराए, वेनेजुएला पर हमले के बाद भड़के रूस और चीन, किम जोंग ने कहा- मेरे दोस्त को रिहा करो

GANDIV REPORTER

कराकस। वनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई ने दुनियाभर में भूचाल ला दिया है। राजधानी कराकस पर किए गए अमेरिकी हमले के बाद राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क लाया गया है। अमेरिकी हमले और मादुरो के पकड़े जाने को लेकर तमाम देशों की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। अमेरिकी एयरस्ट्राइक और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किए जाने पर रूस और चीन भड़क गए हैं।

अमेरिकी अधिकारियों ने मादुरो पर नार्को-टेररिज्म और ड्रग तस्करी के गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके जवाब में वैरीओस देशों ने वैश्विक युद्ध की आशंका जताई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि फिलहाल वेनेजुएला को अमेरिका चलाएगा। मीडिया खबरों के मुताबिक एयर स्ट्राइक में 40 मौतों का दावा किया गया है।

बीजिंग ने इसे खुले तौर पर दादागिरी करार दिया है जबकि रूस ने अमेरिका से मादुरो और उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करने की अपील की है। दोनों देशों ने इस कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया है और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी मीटिंग बुलाने की मांग का समर्थन किया है।

किस देश ने दिया अमेरिका का साथ

मीडिया खबरों के मुताबिक उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग-उन ने अमेरिका को सीधी चेतावनी जारी की है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह कदम तीसरे विश्व युद्ध की ओर ले जा सकता है। किम ने मादुरो को अपना निजी दोस्त बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन से मांग की है कि मादुरो दंपति की तत्काल स्थिति स्पष्ट की जाए और उन्हें बिना शर्त रिहा किया जाए।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने कहा कि यह वेनेजुएला की संप्रभुता पर अब तक का सबसे गंभीर प्रहार है। अर्जेंटीना

के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने इस घटनाक्रम का समर्थन किया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने इन घटनाओं को निंदा की और कहा कि यह वेनेजुएला की संप्रभुता पर अब तक का सबसे गंभीर प्रहार है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष एक बेहद खतरनाक उदाहरण है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने कहा कि यूरोपीय संघ स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने तथा संयुक्त राष्ट्र के घोषणा पत्र का सम्मान करने का आग्रह किया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनका देश इस अमेरिकी कार्रवाई में शामिल नहीं था और वह राष्ट्रपति ट्रंप से इस बारे में और जानकारी लेंगे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन किया जाना चाहिए, लेकिन पहले तथ्यों को स्पष्ट करना जरूरी है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने तनाव कम करने और जिम्मेदारीपूर्ण रवैये की अपील करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र के घोषणा पत्र के सिद्धांतों का सम्मान किया जाना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, राजधानी काराकस पर बड़े पैमाने पर किए गए अमेरिकी हमले के दौरान मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ा गया और उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया है, जहां उन्हें मुकादमों का सामना करना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने निकोलस मादुरो की तस्वीर भी शेयर की है। वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने अमेरिका की कार्रवाई पर गहरी नाराजगी भी जताई।

अमेरिका के हमले के बाद रूस, चीन भी हरकत में आ गए हैं। रूस की तरफ से बयान जारी किया गया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिका द्वारा की गई सशस्त्र आक्रामकता की निंदा की और संयम बरतने का आग्रह करते हुए राजधानी काराकास में तड़के हुए सिलसिलेवार विस्फोटों के बाद स्थिति को और बिगड़ने से रोकने की चेतावनी दी। वहीं चीन ने आपातकात मीटिंग बुलाई। इन सब के बीच नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन का भी बयान सामने आया है। किम जोंग उन ने अमेरिका को सीधी धमकी दे डाली है। उत्तर कोरियाई तानाशाह ने कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति को तुरंत रिहा किया जाए। इसके साथ ही अमेरिका को धमकाते हुए किम जोंग ने कहा कि ऐसा नहीं करने पर गंभीर वैश्विक परिणाम होंगे।

रिपब्लिकन सीनेटर माइक ली ने बीबीसी को बताया कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत के बाद उन्हें पता चला है कि मादुरो पर अमेरिकी आपराधिक अदालतों में मुकदमा चलेगा। हालांकि, यह कहा जा रहा है कि अमेरिका वेनेजुएला के खिलाफ कोई और कार्रवाई नहीं करेगा। ली ने आगे कहा कि मादुरो के अमेरिकी हिरासत में होने के बाद रुबियो को वेनेजुएला में कोई और कार्रवाई की उम्मीद नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि गिरफ्तारी वारंट को लागू करने में मदद के लिए सैन्य कार्रवाई की गई थी। दिन की शुरूआत में, ली ने सवाल उठाया कि क्या सैन्य कार्रवाई संवैधानिक थी। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा मैं यह जानने के लिए उत्सुक हूं कि युद्ध की घोषणा या सैन्य बल के प्रयोग की अनुमति के अभाव में, संवैधानिक रूप से इस कार्रवाई को क्या उचित ठहरा सकता है।

नकोलस मादुरो पर न्यूयॉर्क में मुकदमा चलेगा

अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने खुलासा किया कि गिरफ्तारह्ववेनेजुएला के राष्ट्रपति पर न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में अभियोग लगाया जाएगा। मादुरो पर मादक पदार्थों से संबंधित आतंकवाद की साजिश रचने, कोकीन आयात की साजिश रचने, मशीनगन और विनाशकारी उपकरण रखने और अमेरिका के खिलाफ मशीनगन और विनाशकारी उपकरण रखने की साजिश रचने के आरोप हैं। उन्हें जल्द ही अमेरिकी धरती पर अमेरिकी अदालतों में अमेरिकी न्याय के पूरे प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। पूरे अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से, मैं राष्ट्रपति ट्रम्प को अमेरिकी जनता की ओर से जवाबदेही की मांग करने का साहस दिखाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

जापान खत्म करेगा चीन की दादागिरी, समुद्र से निकालेगा सोने से भी कीमती कीचड़

GANDIV REPORTER

टोक्यो। जापान ने रेयर अर्थ एलीमेंट पर चीन की दादागिरी की खत्म करने करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रहा है। निक्केई एशिया अखबार के अनुसार, जापान ने 2027 तक गहरे समुद्र से दुर्लभ खनिज निकालने और उन्हें रिफाइन करने की एक योजना बनाई है। रिपोर्ट के अनुसार, जापान समुद्र की सतह से 6000 मीटर नीचे समुद्र तल में दुर्लभ खनिजों की तलाश करेगा। इसके लिए समुद्र तल से मिट्टी निकालकर उसे मुख्य भूमि पर प्रोसेस किया जाएगा। जापान खास तौर पर डिस्प्रोसियम जैसे दुर्लभ खनिजों की तलाश कर रहा है जिनका इस्तेमाल ऑटोमाबाइल इंडस्ट्री में होता है।

जापान के पास दुनिया की सबसे बड़ी ऑटोमाबाइल इंडस्ट्री में से एक है, जिसमें टोयोटा, होंडा, सुजुकी और निसान जैसे ब्रांड दुनिया के कई हिस्सों में जाने-माने नाम हैं। लेकिन साल 2010 में सेनकाकू द्वीपों पर विवाद के कारण चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई रोक दी जिससे जापानी इंडस्ट्री को मुश्किल का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही जापान अपने रेयर अर्थ की सप्लाई में विविधता लानी शुरू कर दी थी। पिछले कुछ सालों में वह चीन पर अपनी निर्भरता को एक तिहाई तक कम करने में कामयाब रहा है।

चीन को जवाब देने का प्लान : चीन दुनिया भर में रेयर अर्थ की सप्लाई का लगभग 70 फीसदी नियंत्रित करता है। रिफाइनिंग क्षमता में यह 90 प्रतिशत पहुंच जाता है। 2010 की घटना के बाद जापान ने ऑस्ट्रेलियाई कंपनी Lynas में हिस्सेदारी खरीदी। इससे चीन पर निर्भर हुए बिना जापान के लिए दुर्लभ खनिजों को दीर्घ अवधि के लिए सप्लाई पक्की हुई।

जापान निकालेगा समुद्र से रेयर अर्थ मिनरल : अब जापान की योजना अपने समुद्री क्षेत्र से दुर्लभ खनिजों का दोहन करना है। निक्केई एशिया के अनुसार, जापान अपने दूर द्वीप पर स्थित मिनमिटोरिशिमा पर एक फैसिलिटी बनाएगा, जहां समुद्र का कीचड़ निकाला जा सके। इस कीचड़ को समुद्र तल से अलग करके फाइनल रिफाइनिंग के लिए मुख्य भूमिक पर ले जाया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, यह काम जनवरी और फरवरी 2026 में शुरू होगा। जापान एजेंसी फॉर मरीन-अर्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी गहरे समुद्र में रिसर्च शिप का इस्तेमाल करके टेस्ट माइनिंग करेगी, ताकि पाइपों के कीचड़ निकाला जा सके। योजना के अनुसार, समुद्र से निकाले गए कीचड़ को मिनमिटोरिशिमा पर एक फैसिलिटी में लाया जाएगा, जहां समुद्र का पानी अलग किया जाएगा। बाकी कीचड़ को रिफाइनिंग और रेयर अर्थ मेटल्स के प्रोडक्शन के लिए जहाज से जापान की मुख्य भूमि पर भेजा जाएगा। निक्केई एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, जापान ने इस योजना के लिए 16.4 अरब येन (लगभग 105 मिलियन डॉलर) की राशि आवंटित की है।

ढेंकनाल में पत्थर की खदान धंसी, कई मजदूरों के दबे होने की आशंका

GANDIV REPORTER

ढेंकनाल। ओडिशा के ढेंकनाल जिले में शनिवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। गोपालपुर गांव के पास एक पत्थर की खदान में धमाके के बाद चट्टान का एक बड़ा हिस्सा गिर गया, जिसके मलबे में कई मजदूरों के दबे होने की खबर है। जिला प्रशासन और बचाव दल मौके पर राहत कार्य में जुटे हैं।

कैसे हुआ हादसा?

घटना मोटांगा पुलिस स्टेशन इलाके की है। जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम मजदूर खदान में ड्रिलिंग और पत्थर निकालने का काम कर रहे थे। इसी दौरान हुए एक धमाके के बाद ऊपर से चट्टान का एक भारी हिस्सा नीचे गिर गया। मलबे के नीचे कितने मजदूर फंसे हैं, इसकी अभी सटीक जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि कई

मजदूरों की जान जा सकती है।युद्ध स्तर पर बचाव कार्य हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय फायर सर्विस और ओडिशा डिजास्टर रैपिड एक्शन फोर्स की टीमें मौके पर पहुंच गईं। रेस्क्यू ऑपरेशन में डॉग स्क्वॉड और भारी मशीनों की मदद ली जा रही है। ढेंकनाल के कलेक्टर आशीष ईश्वर पाटिल और पुलिस अधीक्षक अभिनव सोनकर खुद मौके पर मौजूद रहकर बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, ढेंकनाल की पत्थर खदान में हुआ यह हादसा अत्यंत दुखद है। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। सरकार को तुरंत बचाव अभियान तेज करना चाहिए और इस बात की जांच होनी चाहिए कि मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे या नहीं। इस भयावह घटना ने खदानों में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा पर एक बार फिर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई खतरनाक मिसाल कायम करती है : यूएन महासचिव

GANDIV REPORTER

न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने वेनेजुएला और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ अमेरिका की कार्रवाई पर चिंता जताते हुए कहा कि ये घटनाक्रम खतरनाक मिसाल कायम करते हैं। महासचिव के प्रवक्ता की ओर से शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि गुतारेस वेनेजुएला में हाल में हुए उस घटनाक्रम से अत्यंत चिंतित हैं जिसके तहत अमेरिका ने आज देश में सैन्य कार्रवाई की और क्षेत्र के लिए इसके संभावित रूप से चिंताजनक निहितार्थ हो सकते हैं। गुतारेस ने कहा कि वेनेजुएला की

स्थिति से अलग, ये घटनाक्रम एक खतरनाक मिसाल कायम करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की गहरी चिंता है कि अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान नहीं किया गया। मादुरो और उनकी पत्नी पर न्यूयॉर्क के संघीय अधिकारियों ने मादक पदार्थों से संबंधित आतंकवाद की साजिश और अमेरिका के खिलाफ विनाशकारी उपकरण रखने की साजिश के आरोपों में अभियोग लगाया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार तड़के ट्रुथ सोशल पर घोषणा की थी कि अमेरिका ने वेनेजुएला और मादुरो के खिलाफ बड़े पैमाने पर सफलतापूर्वक हमला किया और मादुरो को उनकी पत्नी के साथ पकड़ लिया गया है एवं उन्हें देश से बाहर ले जाया गया है।

ब्रिटेन-फ्रांस ने सीरिया में की एयर स्ट्राइक

बमों से उड़ाया आतंकियों का भूमिगत हथियार डिपो

GANDIV REPORTER

दमिश्क। ब्रिटेन और फ्रांस ने एक संयुक्त ऑपरेशन में सीरिया के अंदर आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की है। लड़ाकू विमानों ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट ग्रुप के एक संदिग्ध भूमिगत हथियार डिपो पर बमबारी की। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा कि इस हमले में किसी आम नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचा है और सभी एयरक्राफ्ट ऑपरेशन के बाद सुरक्षित लौट आए हैं।

सीरिया में इस्लामिक स्टेट ग्रुप (दाएश आतंकवादी संगठन) फिर से उभरने की कोशिश में है, जिसने

2019 तक सीरिया के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया था। इसे रोकने के लिए ब्रिटेन ने फ्रांस के साथ मिलकर ऑपरेशन किया।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा, रॉयल एयरफोर्स के एयरक्राफ्ट मार्च 2019 में अपनी सैन्य हार के बाद दाएश आतंकवादी ग्रुप के किसी भी संभावित पुनरुत्थान को रोकने के लिए सीरिया के ऊपर गश्त करना जारी रखे हुए हैं। सावधानीपूर्वक खुफिया विश्लेषण ने पलमायरा के प्रमुख स्थल से कुछ मील उत्तर में पहाड़ों में एक भूमिगत ठिकाने की पहचान की। इस ठिकाने पर दाएश का कब्जा था, जिसका इस्तेमाल हथियार और विस्फोटक जमा करने के लिए किया जाता था। ठिकाने के आसपास के क्षेत्र में कोई नागरिक बस्ती नहीं है। रॉयल एयरफोर्स के टाइफून एफजीआर4एस फाइटर जेट्स ने फ्रांसीसी विमानों के साथ एक संयुक्त कार्रवाई में 3 जनवरी की शाम को भूमिगत ठिकाने पर हमला किया। विमानों ने ठिकाने तक जाने वाली कई सुरंगों को निशाना बनाने के लिए पेववे-4 गाइडेड बमों का इस्तेमाल किया। रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि शुरूआती संकेत हैं कि लड़ाकू विमानों ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। रक्षा मंत्रालय ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें विमानों को वॉयेजर एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग टैंकर से ईंधन सपोर्ट लेते दिखाया गया। रक्षा सचिव जॉन हीली ने कहा, यह कार्रवाई हमारे ब्रिटेन के नेतृत्व और अपने सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने के हमारे पक्के इरादे को दिखाती है, ताकि मिडिल ईस्ट में दाएश और उसकी खतरनाक व हिंसक विचारधारा के फिर से उभरने को खत्म किया जा सके। मैं इस ऑपरेशन में शामिल हमारी सेना के सभी सदस्यों को उनकी दक्षता और साहस के लिए धन्यवाद देता हूं।

शुभमन गिल की कप्तानी में खेलेंगे रोहित-विराट

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए हुआ टीम का चयन, सिराज-श्रेयस की वापसी

GANDIV REPORTER

मुंबई। बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया है, जिसकी कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। इस टीम में मोहम्मद सिराज और श्रेयस अय्यर की वापसी हुई है, हालांकि अय्यर का चयन फिटनेस पर निर्भर करेगा, जबकि हार्दिक पांड्या को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। शुभमन गिल कप्तानी करेंगे, वहीं रोहित और विराट कोहली भी टीम में शामिल होंगे। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए टीम में नहीं चुना गया है, और श्रेयस अय्यर की फिटनेस जांच अनिवार्य है। यह उल्लेखनीय है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच बहु-प्रारूपीय श्वेत-गेंद सीरीज होगी। दोनों टीमें तीन वनडे और पांच टी20 मैचों में एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

खास बात यह है कि बीसीसीआई ने पहले ही भारत की टी20 टीम की घोषणा कर दी थी और अब वनडे टीम की भी घोषणा कर दी है। यह दिलचस्प है कि श्रेयस अय्यर को वनडे सीरीज के लिए उप-कप्तान बनाया गया है, लेकिन सीरीज में उनका चयन उनकी फिटनेस जांच पर निर्भर करेगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में अय्यर चोटिल हो गए थे और तब से टीम से बाहर हैं। इसके अलावा, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा, हर्षित राणा, ऋषभ पंत और कई अन्य स्टार खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है।

टीम में जिन बड़े नामों की कमी खल रही है, उनमें से एक ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का नाम है। स्टार खिलाड़ी हार्दिक पांड्या को वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना गया है, क्योंकि बीसीसीआई की टीम ऑफ इंजीनियर्स ने उन्हें अभी तक एक मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी है। टी20 विश्व कप नजदीक आ रहा है, इसलिए बोर्ड चाहेगा कि वह इस बड़े टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट हों।

टीम में सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली मौजूद है, जिससे बल्लेबाजी को मजबूती मिलेगी। विकेटकीपर के तौर पर केएल राहुल और ऋषभ पंत को शामिल किया गया है। ऑलराउंड विभाग में रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर मौजूद हैं, जबकि

एक दिवसीय मैच का कार्यक्रम
पहला : 11 जनवरी-वड़ोदरा
दूसरा : 14 जनवरी-राजकोट
तीसरा : 18 जनवरी-इंदौर

गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे।

इस सीरीज के तीनों मैच क्रमशः वडोदरा, राजकोट और इंदौर में खेले जाएंगे। चयनकताओं ने कार्यभार को ध्यान में रखते हुए कुछ खिलाड़ियों को आराम दिया है, जबकि टीम को नए साल की अच्छी शुरूआत दिलाने की जिम्मेदारी अनुभवी और युवा खिलाड़ियों पर होगी।

भारत की वनडे टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान)*, वाशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल

बांग्लादेश ने किया टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम का ऐलान

लिटन कुमार दास को मिली कप्तानी

GANDIV REPORTER

ढाका। बांग्लादेश ने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में फरवरी-मार्च में होने वाले आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय मजबूत टीम का एलान कर दिया है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज लिटन कुमार दास को इस मेगा टूर्नामेंट के लिए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट के इतिहास में यह एक महत्वपूर्ण मोड़ है क्योंकि टीम ने अब तक के सभी टी20 वर्ल्ड कप सीजन में हिस्सा लिया है, लेकिन वे कभी भी सेमीफाइनल या उससे आगे का सफर तय करने में सफल नहीं हो पाए हैं।

अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को मिला मौका : कप्तान लिटन कुमार दास के नेतृत्व में घोषित इस टीम में अनुभव और युवाओं का बेहतरीन संतुलन देखने को मिल रहा है। बांग्लादेश के इस 15 सदस्यीय दल में लिटन कुमार दास के साथ तंजीद हसन, मोहम्मद परवेज हुसैन इमोन, मोहम्मद सैफ हसन, मोहम्मद तौहीद हृदय, मोहम्मद शमीम हुसैन और काजी नूरुल हसन सोहन जैसे प्रतिभावान बल्लेबाजों को जगह मिली है। वहीं ऑलराउंडर और गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी शाक महेदी हसन, मोहम्मद रिशाद हुसैन, नासुम अहमद, मोहम्मद मुस्तफिजुर रहमान, मोहम्मद तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद, मोहम्मद सैफुद्दीन और मोहम्मद शोरफुल इस्लाम के कंधों पर होगी।

2026 के इस विश्व कप में बांग्लादेश की सबसे बड़ी ताकत उनका संतुलित गेंदबाजी आक्रमण माना जा रहा है। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि मुस्तफिजुर रहमान और तस्कीन अहमद की अनुभवी तेज गेंदबाजी जोड़ी भारतीय और श्रीलंकाई पिचों पर अपना प्रभाव छोड़ेगी। साथ ही, महेदी हसन, नासुम अहमद और रिशाद हुसैन जैसे स्पिनर उन ट्रैक पर बेहद घातक साबित हो सकते हैं जहां गेंद को टर्न मिलता है। उपमहाद्वीप की परिस्थितियों से वाकिफ होने के कारण बांग्लादेश को इस टूर्नामेंट में एक डार्क हॉर्स के रूप में देखा जा रहा है जो किसी भी बड़ी टीम का खेल बिगाड़ सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश का स्क्वाड

लिटन कुमार दास (कप्तान), तंजीद हसन, मोहम्मद परवेज हुसैन इमोन, मोहम्मद सैफ हसन, मोहम्मद तौहीद हृदय, मोहम्मद शमीम हुसैन, काजी नूरुल हसन सोहन, शक महेदी हसन, मोहम्मद रिशाद हुसैन, नासुम अहमद, मोहम्मद मुस्तफिजुर रहमान, मोहम्मद तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद, मोहम्मद सैफुद्दीन, मोहम्मद शोरफुल इस्लाम।

विजय हजारे ट्रॉफी में हार्दिक पंड्या का विस्फोटक पारी, 93 गेंदों में बनाए 133 रन

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी में विदर्भ के खिलाफ हार्दिक पंड्या ने 93 गेंदों में 133 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें एक ओवर में जड़े गए पांच छक्के भी शामिल थे। उन्होंने यह कारनामा तब किया जब बड़ौदा की टीम संघर्ष कर रही थी, और उनके पहले लिस्ट ए शतक ने टीम को एक प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया।

शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी के मैच में विदर्भ के खिलाफ बड़ौदा की ओर से खेलते हुए भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपनी दमदार बल्लेबाजी और सटीक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 93 गेंदों में 133 रन बनाए जिसमें एक ओवर में लगाए गए पांच छक्के शामिल हैं। पांड्या ने कुल 11 छक्के और आठ चौके लगाकर विदर्भ पर पलटवार किया। विदर्भ ने पहले पहर में बड़ौदा को 71 रन पर पांच विकेट और फिर 136 रन पर छह विकेट पर रोककर मैच पर अपना दबदबा कायम कर लिया था। टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में नंबर 7 पर बल्लेबाजी करते हुए पांड्या ने आक्रामक शुरूआत की

और अपने 119वें मैच में अपना पहला लिस्ट ए शतक पूरा किया। पांड्या ने बड़ौदा को 50 ओवरों में 293 रन पर नौ विकेट के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया।

इस शानदार क्रिकेटर के लिए यह उपलब्धि लंबे समय बाद हासिल हुई, जिन्होंने अपनी फिनिशिंग क्षमता का प्रदर्शन करते हुए लड़खड़ाती पारी को संभाला। दबाव झेलते हुए भी उच्च स्ट्राइक रेट बनाए रखने की उनकी क्षमता ने आधुनिक सीमित ओवरों की बल्लेबाजी का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। 39वें ओवर में, पांड्या ने विदर्भ के स्पिनर पार्थ रेखादे पर हमला बोलते हुए कुल 34 रन बनाए, जिसमें पांच छक्के और एक चौका शामिल था। मैदान का माहौल बेहद रोमांचक था क्योंकि रेखादे पांड्या के लिए कोई उपयुक्त लेंथ ढूंढने में नाकाम रहे।

बाएं हाथ के स्पिनर की शुरूआती पांच गेंदें छक्कों के पार गईं, जबकि आखिरी गेंद पर चौका लगा। पांड्या की पारी में केवल 31 सिंगल शामिल थे क्योंकि उन्होंने जवाबी हमला बोलते हुए अपने अधिकांश छक्के मिडविकेट क्षेत्र और लॉन्ग-ऑन के ऊपर लगाए। कुछ छक्के लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से भी गए, जो उनकी अविश्वसनीय ताकत और पहुंच को दर्शाते हैं। पांड्या के दबदबे का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि बड़ौदा की पारी में दूसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज विष्णु सोलंकी थे, जिन्होंने 26 रन बनाए। स्कोर में यह बड़ा अंतर दशार्ता है कि यह प्रदर्शन पूरी तरह से एक अकेले खिलाड़ी का कमाल था। जहां उनके साथी खिलाड़ियों को पिच और विपक्षी टीम की अनुशासित गेंदबाजी को समझने में मुश्किल हो रही थी, वहीं पांड्या मानो किसी दूसरी ही पिच पर खेल रहे थे। जब वे अंततः आउट हुए, तब तक उन्होंने न केवल पारी को संभाला था, बल्कि बड़ौदा टीम में यह विश्वास भी जगा दिया था कि जीत का स्कोर उनके हाथ में है।

दीप्ति शर्मा बनीं वर्ल्ड की नंबर-1 टी20 गेंदबाज, मंधाना से बैटिंग में छिना टॉप स्पॉट

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। भारत को 52 साल में पहली बार महिला वर्ल्ड कप 2025 ट्रॉफी जिताने वाली ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने एक और कमाल कर दिया है। दीप्ति आईसीसी महिला टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज बन गई हैं। मंगलवार को जारी की गई लेटेस्ट रैंकिंग में भारतीय उपकप्तान व दिग्गज बल्लेबाज स्मृति मंधाना को नुकसान उठाना पड़ा है। स्मृति मंधाना से साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वॉल्वार्ट ने टी20 बैटिंग रैंकिंग में नंबर-1 पोजीशन छीन ली है। मंधाना अब नंबर-1 पोजीशन पर पहुंच गई हैं। रैंकिंग में कई अन्य भारतीय खिलाड़ियों की भी पोजीशन में फेरबदल हुआ है।

दीप्ति ने 1 नंबर से पछाड़ी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज : आईसीसी ने मंगलवार को महिला टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग जारी की है, जिसमें दीप्ति शर्मा ने महज 1 अंक से ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ दिया है। 28 वर्षीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा 737 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 टी20 इंटरनेशनल गेंदबाज बन गई हैं, जबकि सदरलैंड के 736 अंक हैं। दीप्ति

को रैंकिंग में यह फायदा श्रीलंका के साथ चल रही टी20 सीरीज के पहले मैच में बढ़िया परफॉर्मेंस के कारण हुआ है। दीप्ति ने मैच में महज 20 रन देकर 1 विकेट लिया था। दीप्ति ने महिला वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में बेहद अहम फिफ्टी लगाने के साथ ही गेंदबाजी में भी 5 विकेट लिए थे। उनकी इस ऑलराउंड परफॉर्मेंस से ही टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी जीतने का इतिहास रचा था। गेंदबाजी रैंकिंग में भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को भी 5 स्थान का फायदा हुआ है। अब वे 36वें स्थान पर आ गई हैं। असली हैरान करने वाला काम भारतीय स्पिनर श्री चरणी ने किया है, जिसने रैंकिंग में सीधे 19 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। श्री चरणी अब 69वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

जेमिमा टॉप-10 में आई, स्मृति तीसरे नंबर पर खिसकीं : वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में टीम इंडिया को जिताने वाला शतक लगाने वाली जेमिमा रोड्रिग्स को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। जेमिमा अब टॉप-10 में आ गई हैं। जेमिमा ने विशाखापत्तनम में श्रीलंका के खिलाफ 44 गेंद में नॉटआउट 69 रन बनाकर मैच जिताया था। प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं जेमिमा ने इसके चलते सीधे 5 स्थान की छलांग लगाई है और अब टी20 बैटिंग रैंकिंग में 9वें नंबर पर आ गई हैं।

भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना को नंबर-1 पोजीशन साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वॉल्वार्ट के हाथों गंवानी पड़ी है। वॉल्वार्ट अब नंबर-1 बन गई हैं, जबकि स्मृति मंधाना तीसरे नंबर पर खिसक गई हैं। हालांकि स्मृति अब भी रैंकिंग में सबसे टॉप पोजीशन वाली भारतीय बल्लेबाज हैं। लौरा वॉल्वार्ट को रैंकिंग में यह उछाल आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में लगातार दो मैच में 124 रन और नॉटआउट 100 रन की पारियां खेलने के चलते मिली है। वॉल्वार्ट ने इससे पहले वर्ल्ड कप में भी सेमीफाइनल और फाइनल में लगातार दो शतक लगाए थे। वॉल्वार्ट के 820 रेटिंग अंक हैं, जो उनकी बेस्ट रेटिंग है। वॉल्वार्ट स्मृति से 9 अंक आगे है।

शेफाली वर्मा एक स्थान नीचे खिसकी : एक अन्य भारतीय स्टार बल्लेबाज शेफाली वर्मा को रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है। हालांकि वे टॉप-10 में बनी हुई हैं। वर्ल्ड कप फाइनल में मैच जिताने वाली बल्लेबाजी व गेंदबाजी करने वाली शेफाली अब 10वें नंबर पर आ गई हैं। उन्हें जेमिमा रोड्रिग्स के टॉप-10 में आने से नीचे खिसकना पड़ा है। आयरलैंड की कप्तान गैबी लुइस बैटिंग रैंकिंग में 4 स्थान उछलकर 18वें नंबर पर और उनकी टीम साथी ऐमी हंटर 3 स्थान ऊपर उठकर 28वें नंबर पर आ गई हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी में जीशान अंसारी की फिरकी का जादू, दर्जी के बेटे ने 5 मैच में ही मचाई तबाही

GANDIV REPORTER

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के युवा लेग स्पिनर जीशान अंसारी इन दिनों घरेलू क्रिकेट के मैदानों पर अपनी फिरकी से कहर बरपा रहे हैं। विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की ओर से खेलते हुए उन्होंने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और अपनी टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लगातार तीन मैचों में तीन-तीन विकेट लेने का कारनामा कर जीशान ने यह साबित कर दिया है कि वे आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट के बड़े सितारों में शुमार हो सकते हैं।

मैदान पर जीशान का दबदबा

जीशान अंसारी ने इस सीजन में अब तक खेले गए 5 मैचों में कुल 17 विकेट हासिल किए हैं। उनके इस शानदार सफर की शुरूआत टूर्नामेंट के शुरूआती दो मैचों में 4-4 विकेट लेने के साथ हुई थी, जिसके बाद उन्होंने अगले तीन मुकाबलों में भी अपनी लय बरकरार रखी और विपक्षी बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। उनकी गेंदबाजी की सबसे खास बात टर्न और गति का वह सटीक मिश्रण है, जिससे वह डेथ ओवरों में भी बल्लेबाजों को आसानी से चकमा दे देते हैं।

आईपीएल में धमाकेदार शुरूआत : जीशान की प्रतिभा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले आईपीएल सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें 40 लाख रुपये में अपनी टीम के साथ जोड़ा था। आईपीएल के अपने पहले ही मैच में उन्होंने केएल राहुल, फाफ डू प्लेसी और फ्रेजर मैकगर्क जैसे विश्व स्तरीय बल्लेबाजों को आउट कर अपनी आक्रामक गेंदबाजी का परिचय दिया था। इस टी20 लीग के दौरान उन्हें महान मुथैया मुरलीधरन जैसे दिग्गज से गेंदबाजी की बारीकियां सीखने का भी अवसर मिला, जिसका फायदा अब उनके खेल में साफ नजर आ रहा है।

संघर्ष से भरा रहा जीशान का जीवन : लखनऊ के एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले जीशान के पिता एक दर्जी की दुकान चलाते हैं। 19 सदस्यों वाले बड़े परिवार की जिम्मेदारियों के बावजूद उनके पिता ने जीशान के क्रिकेटर बनने के जुनून को कभी कम नहीं होने दिया। शेन वॉर्न, अनिल कुंबले और पीयूष चावला को अपना आदर्श मानने वाले जीशान ने अपनी मेहनत के दम पर 2016 के अंडर-19 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जहां वे ऋषभ पंत के साथ खेलते नजर आए थे।

घरेलू क्रिकेट में लगातार बढ़ता कद : जीशान का जलवा केवल विजय हजारे ट्रॉफी तक सीमित नहीं है। इससे पहले उन्होंने यूपी टी20 लीग में भी अपनी घातक गेंदबाजी से मेरठ मैवरिक्स को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। रिंकू सिंह की कप्तानी में खेलते हुए वे उस टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज बने थे, जहां उन्होंने 24 विकेट झटके थे। वर्तमान में उनके आंकड़े बताते हैं कि चाहे फर्स्ट क्लास क्रिकेट हो या लिस्ट ए मैच, वे हर प्रारूप में खुद को साबित कर रहे हैं और जल्द ही चयनकताओं के लिए उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल होगा।

बांग्लादेश में बैन होगा आईपीएल

नई दिल्ली। बांग्लादेश में लगातार हो रही हिंदुओं के खिलाफ हिंसा से भारत और बांग्लादेश के रिश्ते इस वक्त अच्छे नहीं हैं। बीते 16 दिसंबर को हुए आईपीएल मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइटराइडर्स ने बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान को खरीदा था। उसके बाद फ्रेंचाइजी और उनके ओनर शाहरुख खान की काफी आलोचना हो रही थी। फैंस में गुस्सा बढ़ता जा रहा था। ऐसे में बीसीसीआई ने केकेआर को मुस्फिजुर रहमान को रिलीज करने का आदेश दिया। कोलकाता ने इसका पालन किया और बांग्लादेशी खिलाड़ी को रिलीज कर दिया। अब बांग्लादेश के स्पोर्ट्स एडवाइजर आसिफ नजरुल ने बड़ा बयान दिया है। बांग्लादेश में आईपीएल ब्रॉडकास्ट नहीं करवाना चाहते आसिफ नजरुल आसिफ नजरुल ने मीडिया से कहा, 'मैंने सूचना एवं प्रसारण सलाहकार से अनुरोध किया है कि बांग्लादेश में आईपीएल का प्रसारण भी निलंबित किया जाए। किसी भी परिस्थिति में हम बांग्लादेशी क्रिकेट, क्रिकेटरों या स्वयं बांग्लादेश का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। गुलामी के दिन अब समाप्त हो चुके हैं।' इसके अलावा आसिफ ने स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री को कहा है कि इस मामले को लिखित में आईसीसी के पास भेजा जाए और समझाया जाए।

विजय हजारे ट्रॉफी: चिन्नास्वामी में नहीं उतरेंगे विराट कोहली

विजय हजारे ट्रॉफी से पहले फैंस के लिए बुरी खबर

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी के बेंगलुरु में होने वाले सभी मैच सुरक्षा कारणों से एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शिफ्ट कर दिए गए हैं। कर्नाटक सरकार के निर्देश पर यह फैसला लिया गया है। इस बदलाव में बुधवार को दिल्ली और आंध्र के बीच होने वाला पहला मैच भी शामिल है, जिसमें विराट कोहली और ऋषभ पंत खेलेंगे। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी ने क्रिकबज को इस बात की पुष्टि की है।

फैंस को एंट्री नहीं मिलेगी

कर्नाटक के गृह मंत्रालय ने मंगलवार सुबह केएससीए को इस फैसले की जानकारी दी। इसके बाद पहले मैच में खेलने वाली दोनों टीमों को सूचित कर दिया गया। अब उनका प्री-मैच ट्रेनिंग सेशन बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा। यह फैसला सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखकर लिया गया है। इसके साथ ही बेंगलुरु में होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबलों में फैंस को एंट्री नहीं मिलेगी। दूसरी बार बदला गया वेन्यू

पहले ये मुकाबले अलूर में होने थे लेकिन कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन ने वेन्यू को लॉजिस्टिक और सुरक्षा चुनौतियों की वजह से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम शिफ्ट कर दिया था। विराट कोहली और ऋषभ पंत वाले मैच करवाने का भरोसा जताया था। उन्होंने यह भी इशारा किया था कि दो स्टैंड आम जनता के लिए खोले जा सकते हैं, जिनमें अगर पूरी तरह भर जाएं तो 2000-3000 दर्शक बैठ सकते हैं। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि इस प्रस्ताव का सरकार की तरफ से कड़ा विरोध हुआ है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने पहले भी फैंस के बिना दलीप ट्रॉफी, महिला विश्व कप वार्म-अप मैच और साउथ अफ्रीका के खिलाफ इंडिया ए की सीरीज की मेजबानी की है।

फिल्मी अंदाज में सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने किया प्रपोज, खान परिवार की बहु बनेंगी टीना रिजवानी

सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने अपनी लॉन्ग-टाइम गर्लफ्रेंड टीना रिजवानी से सगाई कर ली है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। खान परिवार की होने वाली बहू टीना रिजवानी कॉर्पोरेट जगत से हैं, जो कम्यूनिकेशन लीडर के तौर पर काम करती हैं। सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड टीना रिझवानी से सगाई कर ली है। अयान ने टीना के साथ प्रपोजल फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की है। फोटो शेयर करते ही सोशल मीडिया पर गॉसिप का अड्डा बन गया। अयान के इस पोस्ट पर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ढेर सारी बधाई दे रहे हैं। ऐसे में सभी जानना चाहते है कि आखिर सलमान के परिवार की बहू है कौन?

कौन है टीना रिझवानी?

आपको बता दें कि टीना रिझवानी लाइमलाइट से दूर रहती है, भले ही पब्लिक फिगर नहीं हैं, वह कॉर्पोरेट स्पेस से आती हैं। मीडिया रिपोर्ट में पता चला है कि टीना कम्यूनिकेशन्स में काम करती हैं और ब्लू एडवाइजरी से असोसिएट हैं जहां उनका कम्यूनिकेशन्स में लीडरशिप रोल हैं। जानकारी के मुताबिक, टीना साल 2024 में इस कंपनी से जुड़ी थीं। टीना को बिजनेस मैनजमेंट और मार्केटिंग में 10 साल हो गए हैं।

अयान का फिल्मी प्रपोजल

टीना और अयान काफी समय से रिलेशनशिप में हैं। फोटोज शेयर कर उन्होंने लिखा, अपनी गर्लफ्रेंड को 2025 में छोड़ दिया। फोटोज में आप देख सकते है कि अयान ने इस प्रपोजल को कितना खास रखा था। उन्होंने पूल को गुलाब के फूलों से सजाया था और काफी फायरवर्क्स भी किए थे।

अयान का फिल्मी करियर : बता दें कि, अयान ने बतौर सिंगर अपना ऑफिशियल डेब्यू यूनिवर्सल लॉ सिंगल से किया। उन्हें गानों से प्यार हैं। अयान बहुत मेहनत करते हैं और अपने गानों के जरिए काफी एक्सपैरिमेंट करते हैं। उन्होंने अपना स्टेज नेम अग्नि रखा है।

सलमान के साथ किया काम : जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि सलमान ने पहले विशाल मिश्रा के कंपोज किए हुए गाने यू आर माइन में अयान के साथ काम किया था। रैप वाले हिस्से अयान ने गाए थे। उन्होंने अपना सिंगल यूनिवर्सल लॉज भी रिलीज किया है और वह अपने ईपी पर भी काम कर रहे हैं।

आपको बता दें कि टीना रिझवानी लाइमलाइट से दूर रहती है, भले ही पब्लिक फिगर नहीं हैं, वह कॉर्पोरेट स्पेस से आती हैं। मीडिया रिपोर्ट में पता चला है कि टीना कम्यूनिकेशन्स में काम करती हैं और ब्लू एडवाइजरी से असोसिएट हैं जहां उनका कम्यूनिकेशन्स में लीडरशिप रोल हैं। जानकारी के मुताबिक, टीना साल 2024 में इस कंपनी से जुड़ी थीं। टीना को बिजनेस मैनजमेंट और मार्केटिंग में 10 साल हो गए हैं।

टीना और अयान काफी समय से रिलेशनशिप में हैं। फोटोज शेयर कर उन्होंने लिखा, अपनी गर्लफ्रेंड को 2025 में छोड़ दिया। फोटोज में आप देख सकते है कि अयान ने इस प्रपोजल को कितना खास रखा था। उन्होंने पूल को गुलाब के फूलों से सजाया था और काफी फायरवर्क्स भी किए थे।

बता दें कि, अयान ने बतौर सिंगर अपना ऑफिशियल डेब्यू यूनिवर्सल लॉ सिंगल से किया। उन्हें गानों से प्यार हैं। अयान बहुत मेहनत करते हैं और अपने गानों के जरिए काफी एक्सपैरिमेंट करते हैं। उन्होंने अपना स्टेज नेम अग्नि रखा है।जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि सलमान ने पहले विशाल मिश्रा के कंपोज किए हुए गाने यू आर माइन में अयान के साथ काम किया था। रैप वाले हिस्से अयान ने गाए थे।

रिव्यू : फिल्म एनाकोंडा – रीमेक बनाते – बनाते सामने आ गया असली खतरा

हॉलीवुड में रीमेक अब कोई नई बात नहीं रही, लेकिन एनाकोंडा (2025) एक अलग रास्ता चुनती है। यह फिल्म 1977 की क्लासिक एनाकोंडा की सीधी रीमेक नहीं है, बल्कि उन लोगों की कहानी है जो उस फिल्म को दोबारा बनाना चाहते हैं।

कहानी चार दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अमेजन के जंगलों में एनाकोंडा की रीमेक शूट करने निकलते हैं। सब कुछ प्लान के मुताबिक चल रहा होता है, लेकिन तभी हालात बिगड़ते हैं और फिल्म के सेट पर असली एनाकोंडा की एंट्री हो जाती है। इसके बाद फिल्म मेकिंग और ज़िंदगी बचाने की जद्दोजहद एक-दूसरे में घुलने लगती है।

फिल्म का कॉन्सेप्ट दिलचस्प है। एक कल्ट क्लासिक को रीमेक करने की कोशिश और उसी दौरान असली खतरे का सामने आ जाना, यह विचार अपने आप में फ्रेश लगता है। कुछ हिस्सों में फिल्म हल्की-फुल्की कॉमेडी के साथ एंटरटेन करती है और दर्शक जुड़े रहते हैं।

हालांकि, पटकथा की सबसे बड़ी समस्या यही है कि यह अपने आइडिया की गहराई तक नहीं जा पाती। कई सीन सिर्फ सतह पर रह जाते हैं और क्लाइमैक्स उम्मीद के मुताबिक असर नहीं छोड़ता। निर्देशन सधा हुआ है, लेकिन फिल्म कहीं भी जोखिम नहीं उठाती। फिल्म का सबसे मजबूत पक्ष जैक ब्लैक और पॉल रुड हैं। दोनों अपनी पहचान वाले अंदाज में नजर आते हैं और कई सीन को सिर्फ अपनी मौजूदगी से संभाल लेते हैं। उनकी केमिस्ट्री फिल्म को देखने लायक बनाती है।

स्टीव जान ठीक-ठाक हैं, जबकि थांडीवे न्यूटन और डेनिएला मेलचियर जैसे कलाकारों को ज्यादा कुछ करने का मौका नहीं मिलता। सहायक किरदार कहानी को आगे बढ़ाते हैं, लेकिन यादगार नहीं बन पाते।

टॉम गॉर्मिकन का निर्देशन संतुलित और सधा हुआ है। डेविड फ्लेमिंग का बैकग्राउंड म्यूजिक कहानी का साथ देता है, पर डर या रोमांच का स्तर सीमित ही रहता है। नाइजल ब्लक की सिनेमैटोग्राफी अमेजन के जंगलों को प्रभावशाली ढंग से कैमरे में कैद करती है, लेकिन विजुअल्स में ऐसा कुछ नहीं है जो लंबे समय तक याद रहे। प्रोडक्शन डिजाइन कहानी की जरूरतों के अनुरूप है। क्रेग अल्पर्ट और ग्रेगरी एडिटिंग टाइट और शार्प है, जिससे फिल्म की गति बनी रहती है। वहीं डबिंग की क्वालिटी भी अच्छी है और संवाद सुनने में स्वाभाविक लगते हैं।

एनाकोंडा (2025) एक ऐसी फिल्म है, जो एक अच्छे विचार के साथ शुरू होती है लेकिन उसे पूरी ताकत से इस्तेमाल नहीं कर पाती। यह न तो पूरी तरह डराती है और न ही खुलकर हंसाती है। अगर आप कुछ नया या यादगार हॉरर-कॉमेडी ढूंढ रहे हैं, तो उम्मीदें थोड़ी कम रखनी होंगी। वैसे बेहतर ये है कि इसका ओटीटी पर आने का इंतजार किया जाए।

भोजपुरी फिल्म सास बहू यमराज का ट्रेलर रिलीज

ससुराल में आम्रपाली दुबे की दुर्गति, विक्रांत सिंह बने पति

एस आर के म्यूजिक प्रा. लि. के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म सास बहू यमराज का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। विक्रांत सिंह और आम्रपाली दुबे स्टारर इस फिल्म का ट्रेलर एस आर के म्यूजिक के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर जारी होते ही दर्शकों के बीच तेजी से वायरल हो रहा है। पारिवारिक रिश्तों, सामाजिक संदेश और मनोरंजन से भरपूर यह ट्रेलर दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा रहा है। फिल्म के निमार्ता रोशन सिंह हैं, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी संजय श्रीवास्तव ने निभाई है।

ट्रेलर में पति-पत्नी और सास के रिश्तों की जटिलता को रोचक अंदाज में पेश किया गया है। खास तौर पर आम्रपाली दुबे का दमदार अभिनय ट्रेलर की जान बनकर उभरा है। उनके भाव, डायलॉग, अदायगी और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। वहीं विक्रांत सिंह भी अपने किरदार में पूरी तरह फिट नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में कॉमेडी, इमोशन और सामाजिक संदेश का संतुलित मिश्रण दिखाई देता है।

सास बहू यमराज की कहानी : कहानी विधि के विधान और जीवन के कर्मों पर आधारित है, जिसमें भगवान इंद्र जैसे पौराणिक तत्वों को भी रोचक ढंग से पिरोया गया है। फिल्म में हास्य के साथ-साथ जीवन के गहरे दर्शन को भी दिखाया गया है, जो इसे पारिवारिक दर्शकों के लिए खास बनाता है। गाने भी ट्रेलर में प्रभावशाली नजर आते हैं, जो पहले से ही चर्चा में हैं।

सास बहू यमराज की कास्ट और क्रू : निमार्ता रोशन सिंह ने ट्रेलर रिलीज के बाद कहा कि सास बहू यमराज एक ऐसी फिल्म है जो मनोरंजन के साथ मजबूत सामाजिक संदेश देती है। उन्होंने बताया कि विक्रांत सिंह और आम्रपाली दुबे की जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आने वाली है। इनके अलावा फिल्म में समर्थ चतुवेर्दी, अयाज खान, श्रद्धा नवल, विद्या सिंह, साहिल सिद्दीकी, ऋतु चौहान, अनुषा शर्मा और दीप्ति तिवारी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पी आर ओ रंजन सिन्हा हैं।

फिल्म की कहानी प्राणनाथ ने लिखी : फिल्म की कहानी प्राणनाथ ने लिखी है, जबकि संगीत ओम झा का है। गीतकारों में प्यारे लाल यादव, शेखर मधुर, धरम हिंदुस्तानी और नृपजीत सिंह शामिल हैं। तकनीकी पक्ष में सिनेमैटोग्राफी सिद्धार्थ सिंह, एडिटिंग संतोष हरवाड़े, कोरियोग्राफी कानू मुखर्जी और पोस्ट प्रोडक्शन Humming Bird VFX ने संभाला है। ट्रेलर देखने के बाद यह कहना गलत नहीं होगा कि फिल्म सास बहू यमराज एक पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है।

धुरंधर का असर : शाहरूख की किंग और लव एंड वॉर दो हिस्सों में रिलीज हो सकती हैं

रणवीर सिंह स्टारर आदित्य धर की फिल्म धुरंधर ने सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रखा है। फिल्म जल्द ही धीमी होने का कोई संकेत नहीं दिखा रही है, और रिलीज के लगभग एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। रणवीर सिंह स्टारर आदित्य धर की फिल्म धुरंधर ने सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रखा है। फिल्म जल्द ही धीमी होने का कोई संकेत नहीं दिखा रही है, और रिलीज के लगभग एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। जहां धुरंधर का पहला पार्ट 5 दिसंबर को रिलीज हुआ था, वहीं दूसरा पार्ट मार्च में आएगा, और यह सबसे बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड फिल्मों में से एक है। रणवीर सिंह स्टारर फिल्म की सफलता के बीच, बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट है कि शाहरुख खान की किंग और संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर भी धुरंधर की रणनीति अपना सकती हैं और दो हिस्सों में रिलीज हो सकती हैं।

धुरंधर का असर : शाहरूख की किंग और लव एंड वॉर दो हिस्सों में रिलीज हो सकती हैं

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, शाहरुख खान और संजय लीला भंसाली के कैंप में किंग और लव एंड वॉर की रिलीज को लेकर बहुत उच्च स्तर की चचाएं चल रही हैं। एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, किंग और लव एंड वॉर दोनों ही बड़े बजट की फिल्में हैं और प्रोडक्शन की लागत के मामले में जो कागज पर था, उससे कहीं आगे निकल गई हैं। चूंकि धुरंधर ने एक ट्रेंड सेट किया है, इसलिए रफ्फ और भंसाली दोनों ही अपनी-अपनी फिल्मों को दो हिस्सों में बांटने और 6 महीने से कम के गैप में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में आगे दावा किया गया है कि आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल स्टारर लव एंड वॉर अगस्त 2026 और जनवरी 2027 में आ सकती है, जबकि शाहरुख खान की किंग सितंबर 2026 और मार्च 2027 पर विचार कर रही है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि ये केवल शुरूआती चचाएं हैं, और कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। यह तभी होगा जब इन दोनों दिग्गजों के पास अपनी फिल्मों को दो हिस्सों में बांटने के लिए पर्याप्त फुटेज हो। अभी, वे दोनों फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, और ये धुरंधर की सफलता का विश्लेषण करते हुए सिर्फ शुरूआती चचाएं हैं। फिल्में एक पार्ट में आएंगी या दो में, इस पर अंतिम फैसला एडिटिंग टेबल पर लिया जाएगा,ह्व सूत्र ने कहा। अंदरूनी सूत्र ने आगे कहा, दो पार्ट का मतलब सिर्फ. सैटेलाइट और डिजिटल से ज्यादा पैसा नहीं है, बल्कि सब-ट्रैक को एक्सप्लोर करने की ज्यादा क्रिएटिव आजादी भी है। धुरंधर ने सभी क्रिएटर्स के साथ-साथ बिजनेस दिग्गजों में भी एक नया नजरिया डाला है। अगले कुछ महीने रोमांचक होंगे।

धुरंधर में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं, उनके साथ सारा अर्जुन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना और आर. माधवन भी हैं। इसका सीक्वल, धुरंधर 2, 19 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगा। यह बॉक्स ऑफिस पर यश स्टारर टॉक्सिक से टकराएगा, जो उसी दिन रिलीज होने वाली है।

फिल्में एक पार्ट में आएंगी या दो में, इस पर अंतिम फैसला एडिटिंग टेबल पर लिया जाएगा, सूत्र ने कहा। बल्कि सब-ट्रैक को एक्सप्लोर करने की ज्यादा क्रिएटिव आजादी भी है। धुरंधर ने सभी क्रिएटर्स के साथ-साथ बिजनेस दिग्गजों में भी एक नया नजरिया डाला है। अगले कुछ महीने रोमांचक होंगे।